RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 17 मई 2025

सुर्योदय प्रातः 05:30 बजे

सूर्यास्त सांय 19:07 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

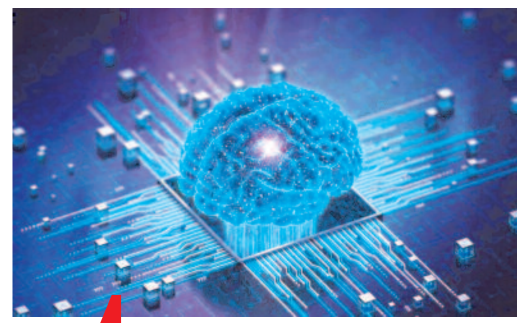

पृष्ठ 4 विज्ञान व तकनीक से दूरसंचार में क्रांतिकारी बदलाव

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 211 | गाजियाबाद, शनिवार 17 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

माता वैष्णो देवी के तीर्थयात्रियों के लिए श्राइन बोर्ड ने की
मुफ्त सुविधाओं की घोषणा

✷ वेबवार्ता. कटरा (रियासी) ✷

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के साथ बंदूकों की आवाज शांत हो गयी और स्थिति सामान्य होने पर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने देश भर के तीर्थयात्रियों को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित गर्भगृह की ओर आकर्षित करने के लिए मुफ्त सुविधाएं प्रदान करने की पेशकश की है।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने यूनीवार्ता से कहा, "श्रद्धालु तीर्थयात्रा पर लौटने लगे हैं और कटरा से श्री माता वैष्णो देवी भवन तक उनकी यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए मुफ्त सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है।" श्री गर्ग ने कहा, "श्रद्धालुओं की धीरे-धीरे संख्या बढ़ने लगी है और श्राइन बोर्ड उनकी सुचारू और परेशानी मुक्त यात्रा के लिए सभी सुविधाएं प्रदान कर रहा है।" उन्होंने कहा, "तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए श्राइन बोर्ड तीर्थयात्रियों को कई सुविधाएं मुफ्त में दे रहा है, जिसमें कटरा से शुरू होने वाली मुफ्त आरती दर्शन और आवास शामिल हैं।" उन्होंने बताया कि इसके अलावा, श्राइन बोर्ड ने भवन, बाणगंगा और कटरा रेलवे स्टेशन के राश्ते में विभिन्न स्थानों पर भोजन काउंटर भी स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि श्राइन बोर्ड ने कटरा स्थित आशीर्वाद कॉम्प्लेक्स में श्रद्धालुओं के लिए मुफ्त आवास सुविधा की भी घोषणा की है।

सीईओ ने कहा, "श्रद्धालुओं की संख्या हालांकि मामूली बढ़ी है, लेकिन गर्मी की छुट्टियों और पर्यटन सीजन के चलते, हमें आने वाले दिनों में तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ की उम्मीद है।" उल्लेखनीय है कि 15 मई की रात 10 बजे तक कटरा से 5,423 श्रद्धालु गुफा मंदिर के लिए रवाना हो चुके थे और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के दौरान 06 से 13 मई तक 45,430 श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की।

छह मई को 12917 और सात मई को 12760 श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर के दर्शन किए, जबकि आठ मई को 8670, नौ मई को 3962, 10 मई को 1352, 11 मई को 1303, 12 मई को 168 और 13 मई को 2808 श्रद्धालुओं ने मंदिर के दर्शन किए। हालांकि सरकार और सशस्त्र बलों में आस्था जताते हुए कटरा के श्रद्धालुओं ने देशभर के श्रद्धालुओं से भवन में आकर मां भगवती का आशीर्वाद लेने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा बुधवार को फिर से शुरू हो गई है और बैटरी कार सेवा भी चालू है। श्री गर्ग ने यह भी कहा, "श्राइन बोर्ड ने पुलिस और सीआरपीएफ की निगरानी में कटरा से भवन तक के मार्ग पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की है और सीसीटीवी निगरानी प्रणाली तथा एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) चालू हैं।"

उन्होंने बताया " तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और यात्रा के सुचारू नियमन की सुविधा के लिए, श्राइन बोर्ड ने कटरा शहर में इंटीग्रेटेड कमांड एंन कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) को चालू कर दिया है। आईसीसीसी के समय पर सक्रिय होने से वाश्तविक समय की निगरानी, आपात

अमरनाथ यात्रा के लिए 3.5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने कराया ऑनलाइन पंजीकरण

✷ वेबवार्ता. जम्मू ✷

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव धीरे-धीरे सामान्य होने और सीमा पर गोलाबारी बंद होने पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने आगामी तीन जुलाई से शुरू होकर 09 अगश्त तक चलने वाली श्री अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों के स्वागत की तैयारी शुरू कर दी है और अब तक पूरे देश से 3.5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है।

प्रशासन ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू में 2000 तीर्थयात्रियों की क्षमता वाले यात्री निवास का कायाकल्प किया जाएगा और जून के मध्य तक यह यात्रियों के लिए पूर्ण रूप से तैयार हो जाएगा। अधिकारियों ने कहा, "सीमाओं पर स्थिति शांतिपूर्ण है और सामान्य स्थिति बहाल हो गयी है।" उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही भगवती नगर स्थित यात्री निवास में मरम्मत का काम शुरू हो जाएगा। जो जम्मू में श्री अमरनाथ यात्रा का आधार शिविर है और 20 जून तक पर्यटन विभाग को सौंप दी जाएगी। उन्होंने कहा, "जम्मू यात्री निवास से तीर्थयात्रियों का पहला जत्था दो जुलाई को पारंपरिक मार्ग पहलगाम और बालटाल मार्ग से श्री अमरनाथ के लिए रवाना होगा।" उन्होंने कहा कि अब तक देश भर से साढ़े तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने यात्रा के लिए 14 अप्रैल से ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा, "श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है और सभी चुनौतियों के बावजूद वे यात्रा के दौरान गुफा मंदिर में जाने के लिए तैयार हैं।"

जगद्गुरु रामभद्राचार्य और गीतकार गुलजार ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां एक समारोह में संस्कृत के विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया। श्रीमती मुर्मु ने इस अवसर पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी के साथ साथ ज्ञानपीठ पुरस्कार वाले गीतकार गुलज़ार को भी बधाई दी जो अस्वस्थ होने के कारण पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की जिससे कि वह कला, साहित्य, समाज और देश के लिए अपना योगदान देते रहें।

राष्ट्रपति ने कहा कि साहित्य समाज को जोड़ता और जागृत करता है। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी के सामाजिक जागरण से लेकर 20वीं सदी के स्वतंत्रता संग्राम तक, कवियों और लेखकों ने लोगों को जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित 'वंदे मातरम' गीत लगभग 150 वर्षों से भारतीयों को जागृत कर रहा है और हमेशा करता रहेगा। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि, व्यास और कालिदास से लेकर रवींद्रनाथ टैगोर जैसे शाश्वत कवियों की रचनाओं में हम जीवंत भारत की धड़कन महसूस करते हैं जो भारतीयता की आवाज है।

श्रीमती मुर्मु ने 1965 से विभिन्न भारतीय भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत करने के लिए भारतीय ज्ञानपीठ ट्रस्ट की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में

उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत करने की प्रक्रिया में भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार के चयनकर्ताओं ने सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों का चयन किया है।

इस पुरस्कार की गरिमा को बनाए रखा है। राष्ट्रपति ने कहा कि आशापूर्णा देवी, अमृता प्रीतम, महादेवी वर्मा, कुर्रतुल-ऐन-हैदर, महाश्वेता देवी, इंदिरा गोस्वामी, कृष्णा सोबती और प्रतिभा रे जैसी ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता महिला लेखकों ने भारतीय परंपरा और समाज को विशेष संवेदनशीलता के साथ देखा और अनुभव किया है और हमारे साहित्य को समृद्ध किया है।

उन्होंने कहा कि हमारी बहनों और बेटियों को इन महान महिला लेखकों से प्रेरणा लेकर साहित्य सृजन में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए और सामाजिक सोच को और अधिक संवेदनशील बनाना चाहिए। राष्ट्रपति ने श्री रामभद्राचार्य के बारे में कहा कि उन्होंने उत्कृष्टता का एक प्रेरक उदाहरण प्रश्तुत किया है। उन्होंने उनके बहुमुखी योगदान की प्रशंसा की और कहा कि शारीरिक रूप से विकलांग होने के बावजूद उन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से साहित्य और समाज की असाधारण सेवा की है।

ऑपरेशन सिन्दूर दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और सेनाओं की अचूक मारक क्षमता का प्रतीक : शाह

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि ऑपरेशन सिन्दूर सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और तीनों सेनाओं की अचूक मारक क्षमता का अद्वितीय प्रतीक है। श्री शाह ने शुक्रवार को यहां नार्थ ब्लॉक में नये म्लटी एजेन्सी सेन्टर के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। गृह मंत्री ने ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए कहा कि यह ऑपरेशन सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेन्सियों की सटीक सूचना और तीनों सेनाओं की अचूक मारक क्षमता का अद्वितीय प्रतीक है। मल्टी एजेन्सी सेन्टर को देश में आंतरिक सुरक्षा को चाक चौबंद करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस सेंटर में खुफिया ब्यूरो, रिसर्च एनालाइसिस विंग, देश भर के पुलिस खुफिया विंग और अर्द्धसैनिक बलों की खुफिया इकाई एक दूसरे के साथ तालमेल बनाकर काम करेंगी।

मीडिया की आवाज दबाना लोकतंत्र के लिए घातक : खरगे-राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजुरन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तरफ आलोचना को लोकतंत्र की आत्मा बताते हैं और दूसरी तरफ सरकार के कार्यों की आलोचना करने वाले अखबार पर डंडा चलाकर लोकतंत्र की आवाज दबाने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार ने करीब सौ साल पुराने अखबार गुजरात समाचार के संस्थापक को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर साबित कर दिया है कि श्री मोदी आलोचना करने वालों की आवाज दबाने में संकोच नहीं करते हैं। यह मीडिया की आजादी तथा लोकतंत्र की आवाज दबाने की साजिश है। श्री खरगे ने कहा "मोदी जी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था - 'आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है।' गुजरात समाचार एक 93 वर्ष पुरानी संस्था है जिसके वरिष्ठ संस्थापक बाहुबली भाई शाह जी को प्रवर्तन निदेशालय से गिरफ़्तार करवाकर मोदी जी ने सिद्ध किया है -'आलोचकों को गिरफ्तार करना एक डरे हुए तानाशाह का पहला संकेत है।'

आरपीएफ ने चार नाबालिग लड़कियों को बचाया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बाल सुरक्षा और मानव तस्कर निरोधी प्रयासों के प्रति अडिग प्रतिबद्धता दर्शाते हुए त्वरित और समन्वित अभियान में, गत 13 मई की सुबह बिहार के रक्सौल रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी के प्रयास विफल करते हुए चार नाबालिग लड़कियों को बचाया।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार रक्सौल पोस्ट पर रेलवे सुरक्षा बल-आरपीएफ ने समय से मिली खास सूचना पर रक्सौल राजकीय रेलवे पुलिस-जीआरपी, सशस्त्र सीमा बल-एसएसबी मानव तस्करी निरोधी इकाई, रेलवे चाइल्ड लाइन-रक्सौल तथा गैर-सरकारी संगठन- प्रयास किशोर सहायता केंद्र के साथ मिलकर ट्रेन नंबर 15273 रक्सौल-आनंद विहार सत्याग्रह एक्सप्रेस रेलगाड़ी से 13 से 17 वर्ष आयु की चार लड़कियों को मानव तस्करों से बचाया।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि इन नाबालिग लड़कियों को नौकरी के झूठे वादे और गोरखपुर में एक लापता रिश्तेदार को खोजने की मदद का झांसा देकर नेपाल से तस्करी कर लाया जा रहा था। इन बच्चियों के परिवारों को उनकी यात्रा के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। तस्करों द्वारा खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों से कमजोर और असुरक्षित लोगों को बरगलाने और उनके शोषण की यह एक आम कपटपूर्ण तरकीब है। एजेंसियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से लड़कियों के साथ मौजूद तस्कर को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया और नाबालिग किशोरियों को बाल संरक्षण अधिकारियों को सौंप दिया गया।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), किशोर न्याय (बाल देखभाल और संरक्षण) अधिनियम और बाल एवं किशोर श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत इस सिलसिले में जीआरपी रक्सौल में एक प्राथमिकी दर्ज की गई।

सेना, सैनिकों को अपमानित करने वाले मप्र के दोनों मंत्री हों बर्खास्त : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने कहा है कि मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा मंत्री विजय शाह ने बहादुरी से देश की रक्षा करने वाली सेना तथा सेना के जवानों को अपमानित करने वाले बयान देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपने दोनों मंत्रियों को तत्काल प्रभाव से बर्खाशत करना चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री देवड़ा तथा श्री शाह ने भारतीय सेना तथा सैनिकों का अपमान करने वाले बयान दिए हैं, इसलिए इन दोनों मंत्रियों को तत्काल प्रभाव से बर्खाशत किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, " हमारी सेना के लिए पूरे देश में हर व्यक्ति के मन में सम्मान है और पूरा राष्ट्र कृतज्ञ है कि सेना की वजह से ही हम सुरक्षित रह पाते हैं। सेना के लिए मप्र के उप मुख्यमंत्री के मन में ऐसी दुर्भावना और गंदे विचार हैं, उसका किसी पद पर रहने का कोई हक नहीं है। इस बार माफी मांगने से काम नहीं चलेगा। भाजपा मूक-दर्शक बनी नहीं रहेगी और श्री मोदी छिपे नहीं रह सकते। अगर अगले कुछ घंटों में भाजपा जगदीश देवड़ा को बर्खाशत नहीं करती है तो ये मान लिया जाएगा कि 'सेना को अपने चरणों में नतमश्तक करने की बात श्री मोदी कह रहे हैं, उनकी मौन-सहमति और संरक्षण है। वरना ये बात कहने की हिमाकत कोई नहीं कर सकता।"

प्रवक्ता ने कहा, "अभी 48 घंटे भी नहीं बीते हैं, जब मंत्री विजय शाह ने देश की सबसे होनहार और वीर बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में घिनौनी टिप्पणी की थी। इस

पूरे मामले में भाजपा ने मंत्री विजय शाह पर कोई कार्रवाई नहीं की। मध्य प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही, जब तक जबलपुर हाई कोर्ट ने प्राथमिकी करने का निर्देश नहीं दिया। विजय शाह पर कोर्ट के आदेश के बाद एफआरआई हुई भी तो उसकी पोल खुल गई। इससे साफ है कि भाजपा विजय शाह को बचाने में जुटी है।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर पीठ ने कल कहा था कि विजय शाह पर दर्ज एफआरआई सिर्फ और सिर्फ दिखावा है। एफआरआई में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे संज्ञेय अपराध दर्शाया जा सके। प्राथमिकी का ड्राफ्ट ही ऐसा बनाया गया ताकि आसानी से रद्द हो सके। इसमें सुधार होना चाहिए, बिना हश्तक्षेप के, बिना दबाव के इस मामले की जांच आगे बढ़ाई जाए और सुनवाई फिर से हो। ये मध्य प्रदेश की सरकार, पुलिस और भाजपा की असलियत है।"

इससे पहले पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पेज पर कहा, "सेना और सैनिक किसी के चरणों में नतमश्तक है- ऐसी बात इस देश का कोई व्यक्ति कह ही नहीं सकता।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने भी तुर्किए और अजरबैजान के साथ समझौता ज्ञापन रद्द किये

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय एकजुटता को दर्शाते हुए एक साहसिक और सैद्धांतिक कदम में, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) तुर्किये और अजरबैजान के संस्थानों के साथ सभी समझौता ज्ञापनों (एमओयू) को समाप्त करने वाला भारत का पहला निजी विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय ने हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों का हवाला देते हुए, जिसे वह भारत के राष्ट्रीय हित के विपरीत मानता है, तुर्की और अजरबैजान के संस्थानों के साथ छह शैक्षणिक साझेदारियों को औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया है।

इस अभूतपूर्व निर्णय में छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त शोध परियोजनाएं, दोहरी डिग्री पहल औ दोनों देशों के संस्थानों के साथ शैक्षणिक सहयोग के सभी अन्य रूपों को तत्काल समाप्त करना शामिल है। यह कदम भारत-पाक तनाव के हाल के दौर में तुर्की और अजरबैजान के पाकिश्तान समर्थक रुख के जवाब में उठाया गया है।

इस निर्णय की घोषणा करते हुए, डॉ. अशोक कुमार मित्तल, संसद सदस्य (राज्यसभा) और एलपीयू के संस्थापक चांसलर ने कहा, 'जब हमारे बहादुर सशस्त्र बल अपने जीवन को जोखिम में डाल रहे हैं - चाहे गुप्त ऑपरेशन, हवाई रक्षा, या हमारी सीमाओं पर गश्त - हम, एक संस्थान के रूप में, उदासीन नहीं रह सकते।

डॉ. मित्तल ने कहा, ' एलपीयू का मिशन हमेशा भारत की वृद्धि और अखंडता के साथ जुड़ा हुआ है, और हम कभी भी किसी ऐसे संस्थान से नहीं जुड़ेंगे जो भारत की संप्रभुता को कमजोर करता है। जबकि कूटनीति सरकारों का क्षेत्र है।

कर्नल सोफिया कुरैशी-विजय शाह मामले पर सुप्रीम सुनवाई 19 को

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी के बाद मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ हाई कोर्ट ने एफआईआर का आदेश दिया था। विजय शाह ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन शीर्ष अदालत अब 19 मई को इस पर सुनवाई करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्री विजय शाह के वकील मनिंदर सिंह ने कुछ अतिरिक्त दश्तावेज दाखिल करने के लिए अदालत से समय मांगा है। इस वजह से अगली सुनवाई के लिए 19 मई की तारीख तय की गई है।

कर्नल कुरैशी पर मंत्री विजय शाह ने विवादित टिप्पणी की थी। उनकी टिप्पणी के बाद पूरे देश में उनकी आलोचना हो रही है। विपक्ष उन्हें कैबिनेट से बर्खाश्त करने की मांग भी उठा रहा है।

पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी को वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ नियमित प्रेस ब्रीफिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और इसे उन्होंने बखूबी निभाया। लगातार ब्रीफिंग की वजह से देश में उन्होंने चर्चा बटोरी। उनके खिलाफ दिया गया बयान विजय शाह की असंवेदनशीलता को प्रदर्शित करता है। विजय शाह ने अपने बयान के लिए माफी भी मांगी है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा है कि कर्नल कुरैशी उनकी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। इस बीच, समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह को लेकर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया है। उनके खिलाफ भी पूरे देश में आक्रोश है।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में प्रतिस्पर्धा के लिए पारदर्शी रास्ता निकाले : क्रिकेट वेस्टइंडीज

✷ वेबवार्ता. पोर्ट ऑफ स्पेन ✷

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूसी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल होने के लिये साफ और पारदर्शी रास्ता निकालने की मांग की है।

सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष ने कहा, "कैरेबियाई टीम ने ओलंपिक में हमेशा अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है और अपनी एथलेटिक प्रतिभा से दुनिया को प्रेरित किया है।

2028 खेलों में क्रिकेट की वापसी हमारे युवा क्रिकेटरों को उसी सपने से वंचित नहीं कर सकती जिसने हमारे एथलीटों को प्रेरित किया है। ओलंपिक चार्टर निष्पक्षता, पारदर्शिता पर जोर देता है।

हम बस यही मांग कर रहे हैं कि इन सिद्धांतों को न केवल भावना में बल्कि संरचना में भी बरकरार रखा जाए। वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए राश्ता निकाला जाना चाहिए और प्रतिस्पर्धा करने का हकदार है।"

वेस्टइंडीज, कैरेबियाई द्वीप के रूप में आता हैं और इसके क्रिकेट का संचालन क्रिकेट वेस्टइंडीज बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) करता है, लेकिन केवल संप्रभु राष्ट्रों को ही ओलंपिक खेलों में भाग लेने की अनुमति है।

पूर्व घोषणा के अनुसार लॉस ऐंजिलिस ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग की टी-20 प्रतिस्पर्धा में केवल छह देश हिस्सा लेंगे।

आईसीसी ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 को दिए गए अपने प्रश्ताव में सुझाव दिया था कि छह टीमों को कट-ऑफ तारीख पर टी-20 रैंकिंग के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाए। लेकिन इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है।

मीडिया की आवाज दबाना लोकतंत्र के लिए घातक : खरगे-राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजुरन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तरफ आलोचना को लोकतंत्र की आत्मा बताते हैं और दूसरी तरफ सरकार के कार्यों की आलोचना करने वाले अखबार पर डंडा चलाकर लोकतंत्र की आवाज दबाने का काम कर रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार ने करीब सौ साल पुराने अखबार गुजरात समाचार के संस्थापक को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर साबित कर दिया है कि श्री मोदी आलोचना करने वालों की आवाज दबाने में संकोच नहीं करते हैं। यह मीडिया की आजादी तथा लोकतंत्र की आवाज दबाने की साजिश है।

श्री खरगे ने कहा "मोदी जी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था — 'आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है।' गुजरात समाचार एक 93 वर्ष पुरानी संस्था है जिसके वरिष्ठ संस्थापक बाहुबली भाई शाह जी को प्रवर्तन निदेशालय से गिरफ़्तार करवाकर मोदी जी ने सिद्ध किया है —'आलोचकों को गिरफ्तार करना एक डरे हुए तानाशाह का पहला संकेत है।'

उन्होंने कहा "जिसने भी इस सरकार के खिलाफ़ आवाज़ उठाई, और जिसने भाजपा से समझौता नहीं किया, उसको जेल जाना पड़ेगा। सरकार द्वारा स्वतंत्र मीडिया पर दबाव बनाकर, अपने हक़ में इश्तेमाल करना लोकतंत्र के लिए घातक है।"

श्री गांधी ने कहा "गुजरात समाचार को खामोश करने की कोशिश सिर्फ एक अख़बार की नहीं, पूरे लोकतंत्र की आवाज़ दबाने की एक और साज़िश है। जब सत्ता को आईना दिखाने वाले अख़बारों पर ताले लगाए जाते हैं, तब समझ लीजिए लोकतंत्र खतरे में है। श्री बाहुबली शाह की गिरफ्तारी डर की उसी राजनीति का हिस्सा है, जो अब मोदी सरकार की पहचान बन चुकी है।देश न डंडे से

शारीरिक संबंध न बनाने पर महिला के फोटो वायरल किए

✸एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने पर राजस्थान के युवक ने गोविंदपुरम क्षेत्र में रहने वाली महिला को फोटो अश्लील बनाकर वायरल कर दिए।

रिश्तेदारों के फोन आने पर पीड़िता को पता चला, जिसके बाद उसने आरोपी के खिलाफ कविनगर थाने में केस दर्ज कराया है। गोविंदपुरम क्षेत्र में रहने वाली महिला का कहना है कि वह पति और बच्चों के साथ रहती हैं। 14 मई की रात वीरेंद्र उर्फ नाम के लड़के ने बदनाम करने की मंशा से उनके फोटो अश्लील बनाकर रिश्तेदारों में वायरल कर दिए। वीरेंद्र काला कुआं हाउसिंग बोर्ड अलवर राजस्थान का रहने वाला है। फोटो देखकर उनके पास रिश्तेदारों के फोन आने शुरू हुए तो आरोपी की करतूत का पता चला।

संदिग्ध हालात में छत से गिरने पर महिला की मौत

✸एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

लोनी बार्डर थानाक्षेत्र में गुरुवार रात संदिग्ध हालात में चार मंजिला मकान की छत से गिरी महिला की मौत हो गई। आरोप है कि पति महिला को जीटीबी अस्पताल में छोड़कर फरार हो गया था।

परिजनों ने ससुरालियों पर छत से धक्का देकर हत्या करने का आरोप लगा रिपोर्ट दर्ज कराई है। तिलकराम कालोनी में उमेशचंद गुप्ता परिवार समेत चार मंजिला मकान में रहते हैं। उनके पुत्र पंकज गुप्ता का विवाह जिला रामपुर गांव धमोर निवासी अनिल गुप्ता की बहन 45 वर्ष सोनी गुप्ता से करीब 26 वर्ष पूर्व हुआ था। अनिल गुप्ता ने बताया कि बहन की शादी में पिता ने सामर्थ्य अनुसार दहेज दिया था।

शादी के बाद मेडिकल जांच होने पर चिकित्सक ने बहन को बच्चा न होने की बात बताई थी। इस पर ससुराल वाले बहन को शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान करते थे। उन्होंने बताया कि ससुराल वालों ने बहन को घर में रखने के नाम पर पांच लाख रुपये मांगे। आरोप है कि पैसे न देने पर बहन के पति पंकज गुप्ता, ससुर उमेश चंद गुप्ता, सास उर्मिला गुप्ता, देवर राहित, देवरानी स्वाति और दो ननद संगीता व डिंपल बहन के साथ आए दिन मारपीट करते थे। कुछ समय पहले देवर ने बहन के पैर पर गर्म चाय उड़ेल दी थी, जिससे उसका पैर जल गया था। बहन परिजनों की बदनामी से बचाने के लिए अत्याचार सहती रही। जिसे वह अक्सर फोन पर मायके वालों को बताती थी।

नाहल गांव में कुत्ते का आठ लोगों पर हमला

✸एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

मसूरी के गांव नाहल में एक लावारिस कुत्ते ने आठ लोगों पर हमला कर बुरी तरह काट लिया। इनमें से दो मरीजों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर वैक्सीन लगवाई। वहीं, छह लोगों ने निजी चिकित्सकों से इंजेक्शन लगवाया। मसूरी के गांव नाहल के स्थानीय लोगों ने बताया कि गुरुवार शाम को लावारिस कुत्ते ने एक के बाद एक कई लोगों हमला किया।

कुत्ते ने शाम छह बजे से लोगों पर हमला करना शुरू किया और यह सिलसिला रात 11 बजे तक चलता रहा। कुत्ते के हमले में मोहल्ला मेडको वाला निवासी 28 वर्षीय जाहिद, खाकियान निवासी 60 वर्षीय मुजम्मिल, विनोद की 22 वर्षीया पुत्री वर्षा, मोहल्ला सुभांको निवासी 40 वर्षीय ताहिर बिल्लोरी, मोहल्ला नाई निवासी 60 वर्षीया महिला हसीना, 43 वर्षीय ताहिर और 50 वर्षीय इरफान घायल हो गए। कुत्ते ने सभी को बुरी तरह से जख्मी कर दिया। इनमें से इरफान और ताहिर ने डासना स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई। वहीं, अन्य लोगों ने निजी चिकित्सकों से उपचार कराया। नाहल गांव निवासी अदनान ने बताया कि क्षेत्र में कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। वह आते-जाते लोगों पर हमला कर रहे।

नामी कंपनी के नकली पेंट्स की बिक्री का भंडाफोड़

✸एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

विजयनगर थानाक्षेत्र में एशियन पेंट्स का नकली माल बेचे जाने का भेडाफोड़ हुआ है। कंपनी की ब्रांड प्रोटेक्टर एजेंसी के प्रतिनिधि के साथ पुलिस ने एक दुकान में छापेमारी की तो वहां 71 बाल्टी नकली पेंट्स बरामद हुआ। पुलिस ने दुकानदार के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

आदित्य सिंह का कहना है कि मयूर विहार फेज-एक स्थित मैसर्स एसजीएस ईपीआर कंसलटेंसी एलएलपी कंपनी एशियन पेंट्स की ब्रांड प्रोटेक्टर एजेंसी है। वह इस कंपनी में असिस्टेंट चीफ इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें एशियन पेंट्स के उत्पादों की पर्याप्त जानकारी दी गई है।

आदित्य सिंह का कहना है कि उन्हें गोपनीय सूत्रों से जानकारी मिली कि विजयनगर थानाक्षेत्र में स्थित अग्रवाल पेंट्स एंड सेनेट्री स्टोर की दुकान पर एशियन पेंट्स का नकली माल बेचा जा रहा है। 15 मई को वह अपने साथी मनोज कुमार तथा विजयनगर पुलिस के साथ दुकान पर पहुंचे तो वहां दुकान मालिक विपिन अग्रवाल मौजूद मिले।

छत्तीसगढ़ में पकड़ाई बांग्लादेशी महिला

हिंदू नाम बताकर रह रही थी, कई बार सीमा पार भी होकर आई

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से पुलिस ने एक बांग्लादेशी मुस्लिम महिला को गिरफ्तार किया है, जो कि यहां नाम हिंदू नाम रखकर अवैध रूप से रह रही थी। मामले की जानकारी देते हुए गुरुवार को पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला को जिले के सुपेला थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया, जहां पर वह नाम बदलकर रह रही थी। उसने अपनी पहचान काकोली घोष उर्फ अंजलि सिंह के रूप में बताई थी। जबकि उसका असली नाम पन्ना बीबी (25) है, जो कि बांग्लादेश के खुलना जिले के दिधिरपार की रहने वाली है। पुलिस ने बताया कि वह दिल्ली से आई थी, जहां पर वह करीब एक साल रही थी।

पुलिस जांच के दौरान और महिला की कॉल डिटेल्स से पता चला कि पिछले दो साल से यहां रह रही महिला ना केवल कई बार बांग्लादेश होकर आ चुकी थी, बल्कि बांग्लादेश के लगभग एक दर्जन से ज्यादा मोबाइल नंबरों से लगातार संपर्क में भी थी। महिला के पास पुलिस को जो आधार कार्ड मिला वह भी फर्जी निकला है।

दुर्ग के पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में अवैध रूप से घुसपैठ करके आए बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुर्ग जिले में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया गया है।

बुधवार 14 मई को एसटीएफ को जानकारी मिली कि सुपेला के नेहरू रोड इलाके में सूरज साव के मकान में बांग्लादेश की एक महिला अपनी मूल पहचान छुपाते हुए काकोली घोष उर्फ अंजली सिंह के नाम से रह रही है।

सूचना मिलते ही एसटीएफ ने उस जगह पर जाकर दबिश देते हुए महिला को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम अंजली सिंह बताया और कहा कि वह पूर्वी दिल्ली, नांगलोई की रहने वाली है। पहचान साबित करने के लिए उसने अंजली सिंह के नाम से बना अपना आधार कार्ड भी दिखाया, जो पुलिस को संदिग्ध लगा और जांच में फर्जी पाया गया। इसके बाद जब पुलिस ने महिला से सख्ती से पूछताछ की तो सबकुछ उगल दिया। उसने अपना असली नाम पन्ना बीवी और पिता का नाम अब्दुल रऊफ बताया।

भिलाई में रहते हुए कई बार बांग्लादेश होकर आई थी महिला

अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि भारत में रहने के दौरान पन्ना बीबी भारत–बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पारकर कई बार बांग्लादेश स्थित अपने मूल घर भी गई थी। जब पुलिस ने महिला के मोबाइल की जांच की तो पाया गया कि महिला ने अपने मोबाइल फोन से बांग्लादेश के लगभग एक दर्जन से ज्यादा मोबाइल नंबरों पर (पिता, भाई, बहन एवं अन्य रिश्तेदारों) लगातार बात की है और वह लगातार उनके संपर्क में थी। महिला ने पुलिस को जो आधार कार्ड दिखाया था वह भी फर्जी था तथा उसे भी छेड़छाड़ करके बनाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने महिला को विदेशी विषयक अधिनियम 1946, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 तथा भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मकान मालिक द्वारा किरायेदार के संबंध में किसी प्रकार की सूचना थाने में नहीं दी गई थी, जिसके बाद पुलिस भी मकान मालिक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

मथुरा जेल में आईपीएल की तर्ज पर बंदियों के बीच हुई क्रिकेट चैंपियन लीग

नाइट राइडर्स बना विजेता

मथुरा , एजेंसी। बंदियों को शारीरिक स्वास्थ्य बनाने और मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने के लिए मथुरा जेल में कैदियों के बीच आईपीएल की तर्ज पर जेल प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में बंदियों की 8 टीम बनाई गईं। जिनके बीच 12 लीग मैच हुए। बुधवार को फाइनल मैच खेला गया। फाइनल में रोचक मुकाबले के बीच नाइट राइडर्स ने कैपिटल को हराकर विजेता बना। मथुरा जिला कारागार में अप्रैल माह में क्रिकेट चैंपियंस लीग प्रतियोगिता में शुरू हुई थी। लीग में कारागार की विभिन्न बैरकों की कुल आठ टीमें बनाई गई हैं। इसमें ग्रुप ए और बी में 4-4 टीम बनाई गईं। कुल 12 लीग मैच और दो सेमीफाइनल मैच हुए। उद्घाटन मैच टाइटंस टीम और रॉयल्स टीम के बीच खेला गया था। दोनों में रोचक मुकाबला हुआ था। टाइटंस टीम ने रॉयल्स टीम को हराकर बाजी मारी थी। लीग और सेमीफाइनल के बाद बुधवार को नाइट राइडर्स और कैपिटल टीम के बीच फाइनल मैच खेला गया। जेल अधीक्षक ने टॉस उछाल कर किया। रोचक मुकबले में नाइट राइडर्स ने कैपिटल टीम को हराकर विजेता बन गया है। विजेता टीम नाइट राइडर्स को ट्रॉफी, मेडल टी शर्ट, कैप आदि पुरस्कार के रूप में प्रदान की गई। मैन ऑफ दि मैच और मैन ऑफ दि सीरीज कौशल बने। मैच में पर्पल कैप पंकज को एवं ऑरेंज कैप भूरा को मिली।

दुनिया को मिलकर बताएंगे पाकिस्तान का सच

कई दलों के सांसदों को विदेश भेजेगी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच में तनाव तेजी के साथ बढ़ गया था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद चार दिनों तक रॉकेट्स और ड्रोन्स की लड़ाई के बाद दोनों देश फिलहाल सीजफायर पर बने हुए हैं। अब भारत सरकार पाकिस्तान के आतंकवाद समर्थक चेहरे को दुनिया के सामने खुलकर लाने के लिए नए कदम उठाने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार, पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए मल्टी पार्टी डेलीगेशन को विदेश भेजने की तैयारी कर रही है।

द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक विदेशों में भारत की तमाम राजनैतिक पार्टियों के सदस्यों के साथ भेजे जाने वाले इस प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष पाकिस्तान से निकलने वाले आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करना है। सूत्रों के मुताबिक सरकार इस मुद्दे को लेकर सभी पार्टियों से बातचीत कर रही है। सरकार का उद्देश्य सीमा पार से आने वाले आतंकवाद पर देश भर की पार्टियों को एक साथ लाने का है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत सरकार की तरफ से विदेश जाने वाला यह डेलीगेशन मुख्य तौर पर पांच उद्देश्यों पर अपना एजेंडा सामने रखेगा। पहला उद्देश्य पाकिस्तान की तरफ से आने वाले आतंकवादियों का भारतीय नागरिकों और भारतीय फौज पर हमला करना, जिसकी वजह से ऑपरेशन सिंदूर की आवश्यकता पड़ी। दूसरा उद्देश्य इस बात पर जोर देना कि आतंकवाद के खिलाफ आखिरकार ऑपरेशन सिंदूर जैसी प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता क्यों पड़ी। तीसरा, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इस बात से अवगत कराना की अगर पाकिस्तान की तरफ से फिर कोई हरकत या आतंकी गतिविधि की जाती है तो भविष्य में भी ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई की जा सकती है।

इसके अलावा चौथा उद्देश्य, दुनिया के सामने इस बात को स्पष्ट तरीके से रखना कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान केवल और केवल आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया गया था। इसका पाँचवाँ उद्देश्य आतंकवाद को बढ़ाना देने में पाकिस्तान की भूमिका पर दुनिया के सामने प्रकाश डालना शामिल होगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सभी पार्टियों के सदस्यों को मिलाकर बनाए जाने वाला यह प्रतिनिधिमंडल विदेशी सरकारों, थिंक टैंकों और मीडिया आउटलेट्स के साथ बातचीत करेगा ताकि पाकिस्तान की धरती से लगातार पैदा हो रहे आतंकवाद को लेकर ऑपरेशन सिंदूर की आवश्यकता पर भारत की सोच को प्रदर्शित किया जा सके। प्रतिनिधिमंडल की संरचना कैसी होगी इस पर फिलहाल विचार किया जा रहा है। क्योंकि सरकार सीमा पार से आने वाले आतंकवाद को लेकर सभी दलों के दृष्टिकोण को अपनाना चाहती है।

अगर यह प्रतिनिधिमंडल विदेश जाकर सरकार और भारत के पक्ष की बातें रखता है तो इतिहास में यह पहली बार नहीं होगा कि विपक्षी सांसद देश की बात रखने के लिए सरकार के पक्ष में बात करेंगे। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने तत्कालीन विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एक बहुपक्षीय दल को यूएनएचआसी में भेजा था।

गुरुग्राम में 15 प्राइमरी स्कूल किए जाएंगे बंद

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम जिले में सौ मीटर से कम दूरी बने 15 प्राथमिक स्कूलों को बंद किया जाएगा। हरियाणा मौलिक शिक्षा के महानिदेशक की ओर से जिला शिक्षा विभाग से ऐसे स्कूलों की दो दिन में लिस्ट मांगी गई है। शिक्षा विभाग की ओर से राजकीय प्राथमिक और राजकीय कन्या प्राथमिक स्कूलों की सूची तैयार जा रही है। इनमें स्कूलों को मर्ज करके कन्या प्राथमिक स्कूलों को बंद किया जाएगा।

हरियाणा मौलिक शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक की ओर से शिक्षा विभाग को जारी निर्देश में कहा गया है कि प्रदेश में कुल 194 राजकीय प्राथमिक पाठशाला तथा राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला की दूरी 100 मीटर से कम है। इनकी सूची जिले के खंड स्तर पर तथा डीडीओ स्तर पर बनाए। इन स्कूलों की पुष्टि करवाएं कि सूची में यह मौजूद है। जिले से संबंधितत है अथवा नही की जांच करते हुए अपनी टिप्पणी समेत दो दिन के अंदर यानी 14 मई तक निदेशालय को भेजा जाए।

इसके इलावा जिले में उक्त सूची के अलावा यदि अन्य कोई स्कूल है, तो उसकी टिप्पणी करते हुए सूची में डालकर निदेशालय की ई-मेल पर हर हाल में भेजना सुनिश्चित करें। प्राथमिक शिक्षक संघ ने किया विरोध ~ जिला प्राथमिक शिक्षक संघ ने 100 मीटर से कम दूरी वाले प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का विरोध किया है। संघ जिलाध्यक्ष अशोक प्रजापति ने कहा कि जिले में 15 से अधिक ऐसे स्कूल है, जिनकी दूरी बहुत कम है, लेकिन इसका मतलब नहीं है कि सुविधाएं न देकर बंद कर दिया जाए। स्कूलों में शिक्षकों का अभाव और सुविधाओं की कमी है।

राजस्थान में मंत्रिमंडल फेरबदल की सुगबुगाहट तेज!

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की राजनीति में बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट तेज होने लगी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिल्ली रवाना होते ही भाजपा में मंत्रिमंडल विस्तार और प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर हलचल तेज हो गई है। हाईकमान से मिल रहे संकेतों के मुताबिक, 30 मई से पहले देशभर में भाजपा संगठन और सरकारों में लंबित नियुक्तियों का निपटारा किया जा सकता है। ऐसे में राजस्थान के कई दावेदारों की धड़कनें तेज हो गई हैं। प्रदेश में फिलहाल पांच मंत्री पद खाली हैं, और खबर ये भी है कि कुछ मंत्रियों की छुट्टी की तैयारी भी हो रही है। हाल ही में गुजरात में आयोजित भाजपा विधायकों की वर्कशॉप में मौजूद मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया गया था। सूत्रों का कहना है कि कई नामों पर नाराजगी सामने आई है। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने उस वर्कशॉप के बाद तीखा बयान देकर संकेत दे दिया था कि परिवार के बड़े कभी खुश नहीं होते, अपेक्षाएं हमेशा अधिक होती हैं।

सीएम ने बिना सुने दिया जवाब, विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर विवादित बयान पर रामगोपाल की सफाई

लखनऊ, एजेंसी। विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर विवादित बयान पर मचे सियासी बवाल के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने शुक्रवार को सफाई दी है। उन्होंने सीएम योगी के ट्वीट पर जवाब देते हुए कहा कि आश्चर्यजनक है कि पूरा बयान सुने बिना जवाब दे दिया है। उन्होंने कई आरोप भी लगाए हैं ।

शुक्रवार सुबह सोशल मीडियो साइट ऐक्स पर पोस्ट कर लिखा कि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में विशेषकर उत्तर प्रदेश में जहां धर्म, जाति और वर्ग देखकर लोगों पर फ़र्ज़ी मुकदमे लगाए जा रहे हों, जाति धर्म के आधार पर एनकाउंटर किये जा रहे हों, जाति धर्म के आधार पर गैंगस्टर लगा कर संपत्ति जब्त की जा रही हो, जाति धर्म और वर्ग देखकर महिलाओं पर अत्याचार किए जारहे हों। जाति-धर्म और वर्ग देख कर कर्मचारियों और अधिकारियों की पोस्टिंग्स की जातीं हो। ऐसी विकृत मानसिकता (ष्थहह्लह्वश्चह द्दद्गठ्ठहुड्ढद्बह्ल4) के लोगों के वारे में कल मैंने एक कार्यक्रम में कहा था कि कर्नल सोफिया का धर्म नाम से पहचान लिए इसलिए गाली दी गई। विदेश सचिव मिस्त्री को गाली दीं गई। अगर इन गाली वाजों को ये पता चल जाता की व्योमिका सिंह जाटव हैं और एयर मार्शल अवधेश भारती यादव हैं तो ये इन अफसरों को भी गालियां देने से बाज नहीं आते। मुझे आश्चर्य इस बात का है कि जिस

मुख्यमंत्री की नाक के नीचे अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़ों पर अकल्पनीय अत्याचार हो रहे हों उन्होंने मेरा पूरा बयान बगैर सुने ही ट्वीट कर दिया। जिन मीडिया चैनलों ने इस्लामाबाद और रावलपिंडी पर कब्जा कर लिया था उनसे मुझे कोई शिकायत नहीं क्योंकि उन पर सत्ता पक्ष के अलावा किसी को विश्वास नहीं।

सीमाई विवाद से जयपुर के पर्यटन पर लगा ब्रेक, 80प्रतिशत बुकिंग्स रद्द !

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान, जो अपनी ऐतिहासिक धरोहर, रंगीन संस्कृति और लुभावने पर्यटक स्थलों के लिए विश्वभर में मशहूर है, आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां पर्यटकों की संख्या में लगातार गिरावट देखी जा रही है। खासकर पाकिस्तान और भारत के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव का असर राजस्थान के पर्यटन उद्योग पर गहरा पड़ा है। राजस्थान का पर्यटन उद्योग, जो हमेशा से ही राज्य की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा रहा है, अब संकट का सामना कर रहा है।

राजस्थान के प्रमुख होटलों में इस समय 80 प्रतिशत बुकिंग्स रद्द हो चुकी हैं। होटल संचालक और ट्रैवल एजेंट्स अब इस स्थिति से जूझते नजर आ रहे हैं। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष हुसैन खान के मुताबिक, हमारे लिए यह समय बहुत कठिन है, क्योंकि लगभग 500 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। हम उम्मीद करते हैं कि स्थिति जल्द सामान्य होगी।

राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सन्नाटा सा पसरा है। जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर और जयपुर जैसे शहरों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई है। विदेशी पर्यटकों की आवक तो लगभग आधी रह गई है, जबकि स्थानीय पर्यटकों की संख्या भी लगातार घट रही है। ये प्रभाव विशेष रूप से उन महीनों में देखा जा रहा है, जब राज्य में पर्यटन का ऑफ सीजन होता है यानी अप्रैल से लेकर सितंबर तक।

पहलगाम हमले के बाद से, जो कि एक बड़ा सुरक्षा संबंधित मामला था, पर्यटकों में असुरक्षा का अहसास बढ़ा है।

यह असुरक्षा का भाव, चाहे वह विदेशी पर्यटक हो या स्थानीय, उन्होंने अपनी यात्रा की योजना रद्द करने में ही भलाई समझी है। होटल और रेस्टोरेंट एसोसिएशन का भी कहना है, हमारी प्राथमिकता इस समय पर्यटकों की सुरक्षा है। हम उन्हें पूरा रिफंड दे रहे हैं ताकि उनका विश्वास बना रहे।

जयपुर में, जहां आमेर महल और हवामहल जैसे विश्व प्रसिद्ध स्थल हैं, इन स्थलों पर आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। एक पर्यटक के रूप में, इन ऐतिहासिक स्थलों के अद्वितीय सौंदर्य और सांस्कृतिक महत्व का अनुभव करना एक अविस्मरणीय अनुभव है। लेकिन इस समय, जो स्थिति बन गई है, वह न केवल होटल उद्योग के लिए बल्कि पर्यटन प्रेमियों के लिए भी निराशाजनक है।

यहां तक कि, मौसम की स्थिति भी इस बार अनुकूल रही थी, जिससे जनवरी से अप्रैल तक पर्यटन का दौर ठीक-ठाक था। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। राजस्थान का जो आकर्षण एक समय पर्यटकों को खींच लाता था, वह अब थोड़ा फीका पड़ गया है, और इसका असर न सिर्फ होटल कारोबार पर पड़ा है, बल्कि राज्य की आर्थिक स्थिति पर भी हो रहा है। लेकिन, उम्मीद की एक किरण बाकी है। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और अद्वितीय स्थल फिर से पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करेंगे।

इनामी बदमाश को पुलिस ने दबोचा

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹। मुरादनगर में किशोरी को अगवा कर जबरन शादी करने के आरोपी बीस हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस किशोरी को एक मई को बरामद कर चुकी है। एसीपी मसूरी सर्किल ने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार सुबह आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने अपना नाम पूरन सैनी बताया है। बता दें कि दस फरवरी को एक गांव निवासी 16 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। काफी तलाश करने के बाद भी जब वह नहीं मिली तो परिजनों ने गांव निवासी एक युवक पर अपहरण करने का आरोप लगाकर मुरादनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने एक मई को किशोरी को बरामद कर लिया। किशोरी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि आरोपी ने जबरन शादी कर शारीरिक संबंध बनाए। डीसीपी ग्रामीण ने आरोपी पर बीस हजार का ईनाम घोषित कर दिया।

मारपीट के आरोप में 18 पर केस दर्ज

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र की काका विहार कालोनी में बुधवार रात एक व्यक्ति के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने 18 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। उक्त व्यक्ति ने युवक को बुजुर्ग को गाली देने से रोका था, जिसके बाद युवक और उसके साथियों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला अधिवक्ता को दी धमकी

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹। दिल्ली सीमा के नजदीक जनपद गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम इलाके में बैंक की ओर से फ्लैट पर नोटिस चस्पा करने के लिए पहुंची महिला अधिवक्ता को घर में खींचकर धमकी दी गई। एक मई की घटना में गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज की गई। कविनगर में रहने वाली महिला अधिवक्ता ने ज्ञानखंड-चार में रहने वाले मादी के खिलाफ इंदिरापुरम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह बैंकों के लिए विधि कार्य करती हैं। एक मई को वह पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों एमएफ अंसारी, राजीव गुप्ता और अपनी टीम के सदस्यों राजेश कुमार, विनीत आदि के साथ ज्ञानखंड-चार में कब्जे का नोटिस चस्पा करने गई थीं। फ्लैट पर नोटिस लगाने के दौरान फ्लैट से मादी नाम का युवक बाहर आया और उन्हें गेट के अंदर खींच ले गया। साथ ही गेट बंद कर लिया और गाली देते हुए धमकी दी। बमुश्किल वह उसके चंगुल से छूटीं।

ठगों ने खाते से 95 रुपये उड़ाए

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की संगम विहार कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति के खाते से ठगों ने 95 हजार रुपये निकाल लिए। पांच मार्च की घटना में ढाई माह बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है। संगम विहार निवासी पप्पू सिंह ने बताया कि उनके खाते से सुबह के समय 95 हजार रुपये डेबिट हो गए थे। फोन घर में चार्जिंग पर लगा था। उन्होंने न तो किसी को फोन किया और न ही कॉल आया। वह इंटरनेट बैंकिंग का भी प्रयोग नहीं करते।

बदायूं से डोडा की तस्करी करने वाले तीन आरोपी हत्थे चढ़े

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹। सिटी जोन की स्वाट टीम और नंदग्राम पुलिस ने बदायूं से डोडा लाकर दिल्ली-एनसीआर में तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से साढ़े तीन लाख कीमत का डोडा, छोटा हाथी, दो मोबाइल और साढ़े 17 सौ रुपये बरामद हुए हैं। एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा के मुताबिक सिटी जोन की स्वाट टीम तथा नंदग्राम थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 15 मई की रात मोरटी तिराहा स्थित एसजी ग्राउंड रोड के पास से दो डोडा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान साहिबाबाद थाना क्षेत्र के शहीद नगर चिकंबरपुर निवासी बबलू तथा थाना दिलशाद गार्डन, दिल्ली के राम मार्केट पुराना सीमापुरी निवासी रिंकू के रूप में हुई है।

बेटी से अश्लीलता करने पर पड़ोसी ने मारी थी कारोबारी को गोली

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹। लोनी थाना क्षेत्र में चिरोड़ी पेट्रोल पंप के पास फर्नीचर कारोबारी के सिर में गोली मारने के आरोपी पड़ोसी को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार किया है। उससे तमंचा व कारतूस भी मिला है। आरोपी ने बताया कि कारोबारी ने उसकी बेटी से अश्लीलता की थी। इसीलिए गोली मार दी। चिरोड़ी गांव की यमुना सिटी कॉलोनी निवासी फर्नीचर कारोबारी को मंगलवार शाम गोली मारी गई थी। वह अपनी दुकान से लौट रहे थे। तभी रास्ते में पड़ोसी मिला और बातचीत में दोनों में विवाद हुआ और उसने गोली मार दी थी। गोली कारोबारी के स्कल में फंसी है, जिसके चलते हालत गंभीर है।

सचल कोर्ट ने 10.550 जुर्माने के साथ 41 मामलों का हुआ निस्तारण

✹ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✹। माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में आज जनपद न्यायाधीश, बिजनौर के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में ग्राम न्यायालय धामपुर के द्वारा शेरकोट नगर पालिका परिषद में सचल न्यायालय का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 41 वादों का निस्तारण मौके पर किया गया तथा कुल 10,550/- रूपये की जुर्माना धनराशि वसूली गयी। ग्राम न्यायालय, धामपुर के पीठासीन अधिकारी प्रद्युम्न कुमार मिश्र के द्वारा यह बताया गया कि त्वरित, सुलभ एवं सस्ता न्याय प्रदान करने के लिए समय-समय पर तहसील धामपुर के विभिन्न क्षेत्रों में सचल न्यायालय का संचालन भविष्य में भी होता रहेगा।

एडीएम वित्त एवं राजस्व ने किया बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

✹ एनसीआर टुडे. धामपुर ✹। संभावित बाढ़ से पूर्व तैयारियों के परिप्रेक्ष्य में जनपद में चल रहे बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों की परियोजनाओं के वित्तीय कार्यों/भौतिक सत्यापन तथा कार्यों की गुणवत्ता की जांच हेतु जिलाधिकारी द्वारा गठित समिति के अधिकारियों ने जनपद के ग्राम सिंचाई खण्ड धामपुर के नियंत्रणाधीन खो नदी के बांये किनारे स्थित तिपरजोत तटबन्ध की सुरक्षा हेतु कराये जा रहे कटाव निरोधक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

चोरों ने शराब की दुकान में किया कुंबल

लाखों की शराब चुराई

चौधरी चरण सिंह चौकी के निकट दुकान वारदात की पुलिस को खुली चुनौती

✹ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✹

हल्दौर थाना क्षेत्र के बाल किशनपुर स्थित चौराहे के निकट गंज रोड स्थित भीष्म सिंह की देसी शराब की दुकान को निरंकुश चोरों ने बीती रात्रि लाखों रुपए कीमत के शराब चोरी कर हलदर पुलिस को खुली चुनौती दी है।

चौधरी चरण सिंह पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर स्थित देसी शराब की दुकान कॉल निरंकुश चोरों ने पीछे से दीवार में न कब लगा कर घटना को अंजाम दिया जबकि पुलिस की गाड़ियां अक्सर रोड पर घूम के दिखाई देती हैं इसके बावजूद भी चोरों के हौसले बुलंद है हल्दौर थाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर निरंकुश चोरों ने सवाल या निशान लगा दिए हैं

प्राप्त जानकारी के अनुसार हल्दौर थाने के बालकिशन चौराहे के निकट भीष्म सिंह की देसी शराब दुकान संचालित है। जिसको बीती रात्रि चोरों ने अपना निशाना बनाते हुए शराब की दुकान में कुंबल लगाकर दुकान के अंदर रखी देसी शराब की लगभग 65 पेटियां पर चोरों ने हाथ साफ किया।

जिनकी कीमत लगभग 2 लाख रुपए के आसपास है। बताते चलें कि हल्दौर बालकिशन चौराहे के पास चौधरी चरण सिंह पुलिस चौकी के नजदीक बीती रात्रि चोरों ने शराब की दुकान को निशाना बनाते हुए कुंबल काटकर दुकान के अंदर रखी शराब की पेटियां चोरी कर ली। सुबह सवेरे जब लोगों ने शराब की दुकान में कुंबल कटा देखा तो उन्होंने इसकी सूचना दुकान स्वामी को दी।

दुकान स्वामी ने तुरंत ही मौके पर पहुंचकर हल्दौर पुलिस को दुकान में हुई चोरी की घटना के बारे में अवगत कराया। आनन फानन में ही हल्दौर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार बैसला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। वहीं दुकान स्वामी का कहना है कि मेरी शराब की दुकान से लगभग 65 शराब की पेटियां चोरों द्वारा चुराई गई है।

हल्दौर थाना क्षेत्र में चोर एक के बाद एक निरंतर निरंकुश होकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते चले जा रहे हैं।

पुलिस हैकि हाथ पर हाथ धरे बैठी तमाशा देख रही है। कुछ लोग बताते हैं कि

यदि पुलिस रात में गश्त करती तो शायद इतनी बड़ी घटना को चोर अंजाम नहीं देते। चोरों ने पुलिस की सुस्ती का फायदा उठाते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया है। शराब की दुकान में हुई चोरी से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है अग्रिम कार्यवाह प्रचलित है। चोरी का शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

पुलिस चौकी के निकट चोरी की घटना पुलिस की निष्क्रिय कार्य शैली का?

✹ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✹

सूत्रों का कहना है कि हल्दौर थाना क्षेत्र में पुलिस पर चोर भारी पडते चले जा रहे हैं। तभी तो लगातार एक के बाद एक चोरी की घटना को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं।

पुलिस हाथ पैर हाथ धरे बैठ तमाशबीन वन तमाशा देखती रहती है। जिस शराब की दुकान को बीती रात्रि में चोरों ने निशाना बनाया है।

वह शराब की दुकान चौधरी चरण सिंह पुलिस चौकी से लगभग कुछ ही दूरी पर स्थित है। इससे पता चलता है कि हल्दौर पुलिस क्षेत्र में कितनी सक्रिय है और कितनी निष्क्रिय है।

नगीना में सट्टे का धंधा नहीं हो रहा मंदा, खाइबाड़ी में 1 गिरफ्तार

✹ एनसीआर टुडे. नगीना ✹

सट्टे का अवैध धंधा बदस्तूर जारी है। पुलिस ने सट्टे की खाईबाड़ी कर रहे 1 युवक को रंगे हाथों गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध सार्वजनिक जुआ अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की है। पुलिस द्वारा सट्टे का अवैध धंधा करने वालों विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई न किये जाने से सट्टा माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

मौहल्ला बिश्नोई सराय पुलिस चौकी प्रभारी एस आई सुभाष तोमर, कांस्टेबल अंकित कुमार व अंकित सौलानिया ने गश्त के दौरान सूचना मिलने पर मौहल्ला बिश्नोई सराय पुलिया से कस्बा कोटरा को जाने वाले रास्ते पर बिश्नोई समाज के आम के बाग में बैठकर एक युवक को रास्ते से आने जाने वाले लोगों को आवाज लगाकर सीधे तौर पर सट्टे की खाई बाड़ी करते संदिग्ध युवक को सट्टा खेलते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

पुलिस की पूछताछ में युवक ने अपना नाम शुभम 30 वर्ष पुत्र आदेश निवासी मौहल्ला बिश्नोई सराय नगीना बताया।, पुलिस ने तलाशी लेने पर उसके पास से सट्टा खाईबाड़ी की एक कापी, एक नीला बाल पैन व 430 रूपये नगद बरामद किये।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत कार्रवाई की।, उल्लेखनीय है कि पिछले काफी समय से नगर के मौहल्ला बिश्नोई सराय व कस्बा सहित कई मौहल्लों में सट्टे का अवैध धंधा खुलेआम हो रहा है। सट्टा माफियाओं के विरुद्ध पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने के कारण सट्टा माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। वे पुलिस को ठेंगा दिखाकर सट्टे के अवैध धंधे को संचालित करने में लगे हैं।

ईएनए की चोरी कर जहरीली शराब बनाकर बेचने में शामिल गिरोह के तीन अभियुक्त गिरफ्तार

✹ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✹

जनपद के थाना रेहड़ पुलिस तथा एसटीएफ गौतम बुद्ध नगर की संयुक्त कार्रवाई में तीन अभियुक्त को अब मिश्रित शराब से भरी केन खाली कांच की बोतलों से भरे एक कंटेनर तथा तीन गाड़ियों सहित गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में गुड्डू पुत्र मजीद निवासी ग्राम मुड़िया पिस्तोर थाना बाजपुर जनपद उधम सिंह नगर उत्तराखंड राम सिंह पुत्र नरपत सिंह निवासी ग्राम निवादखास थाना भगतपुर जनपद मुरादाबाद सुनील कुमार पुत्र गेंदा सिंह निवासी ग्राम दौलावाला थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद है।

पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया की गुड्डू जो कंटेनर का चालक है आईओसीएल कंपनी में लोडिंग कर्मचारी भूप सिंह से सांठगांठ कर गाड़ी तय मात्रा से अधिक ईएनए भरवाता है इसके बाद गुड्डू कंटेनर को लेकर मां जगदंबा ढब्बे पर आकर वहां मौजूद राम सिंह को फालतू ईएनए देता है।

इस मामले में ढाबा मालिक सुनील कुमार भी शामिल है , राम सिंह उक्त ईएनए सुखविंदर उर्फ सेठी पुत्र अजीत सिंह निवासी ग्राम बेरिया थाना किला खेड़ा उधम सिंह नगर उत्तराखंड को दे देता है तथा सुखविंदर से मिले रुपए में अपने हिस्से के रुपए निकाल कर गुड्डू वह सुनील को दे देता है।

सुखविंदर एन में मिलावट कर जहरीली शराब बनाकर विभिन्न ब्रांडों के नाम से बेचने का काम करता है, न्यू दशमेश ट्रांसपोर्ट कंपनी के दो अन्य चालक भी इसी प्रकार ईएनए की चोरी में लिप्त है।

एक दिन कर बैठा जुर्म -ए -इश्क मै अपनी ही थाने में हजामत हो गई

✹ एनसीआर टुडे. नगीना ✹

नगर के मुहल्ला काजी सराय,अकबराबाद चौक निवासी अयाज अहमद के पुत्र मुहम्मद हमदान के अकीके पर मौके पर एक वैकेट हाल में शानदार मुशायरे का आयोजन किया गया।

मुशायरे की सदारत शेख बिरादरी के अध्यक्ष के इबादुर्रहमान ने की,जबकि निजामत इरशाद धामपुरी ने की।मुशायरे का आगाज मुख्य अतिथि एलआरएस कॉलेज ग्रुप के एमडी संजीव अग्रवाल,चेयरपर्सन नगर पालिका परिषद नगीना ताहिरा बेगम के पुत्र शहराज खलील द्वारा शमा रोशन करने के बाद बारगाहें रिसालत नाते पाक का नजराना पेश किया।

गजलियात के दौर में राशिद कमाल देवबंदी ने कहा-'अगर नुकसान जाती है,तो हम खामोश है राशिद/वतन पर आंच अगर आए तो पहला वार करते है'। इम्तियाज अजहर बिजनौरी ने कहा- जिसको चाहा है,उसे कैद किया है हमने/ यह अलग बात कि जिंदान नहीं रखा है'।

हंसाने और गुदगुदाने में माहिर सज्जाद झंझट ने श्रोताओं को अपने कलाम से हंसने और तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया सज्जाद झंझट ने कहा-एक दिन कर बैठा जुर्मे इश्क मैं/अपनी थाने में हजामत हो गई। इत्तेफाकन जज भी था आशिक मिजाज/इसलिए मेरी जमानत हो गई'।

अलीम वाजिद ने कहा-इज्जत तलाश करते हैं मैयार बेचकर/कितने अमीर हो गए किरदार बेचकर'।उस्मान केरानवी ने कहा-'मैंने खूनें दिल देकर गुलिश्ता सजाया था/बागबा ने मेरा ही आशियाना जलाया है'।

नईम अख्तर देवबंदी ने कहा-'चुका ना पाया पसीना जो ब्याज की किश्तें/लहू को रोटी पे मल मल के खाते है लोग'। नवाजिश नजर शामली ने कहा-'मुझको आंधी से न तूफा से डर लगता है/एक कमतर के एहसान से डर लगता है'। चांद फटाफट ने कहा- 'अबे नासपीटे ये क्या कर दिया है/मेरा होके मुझसे दगा कर गया है'। अमजद आतिश खतोलवी ने कहा - 'बहिश्ते रस्क करने लगती है/एक चेहरा बनाकर कागज पर'।

वसीम झंझानवी ने कहा-'शिकवा गिला न कोई शिकायत किया करो/छोटी सी जिंदगी है मुहब्बत किया करो' ।फुरकान देहलवी ने कहा-'खुदार जायेंगे न वफादार जायेंगे/कहता है कौन साहिबे किरदार जाएंगे'। मुशायरे में अय्याज अहमद की ओर से मुख्य अतिथि संजीव अग्रवाल, शहराज खलील, विधायक मनोज पारस के छोटे भाई धर्मेंद्र पारस आदि को शाल उढ़ाकर सम्मानित किया।

इस मौके पर परवेज मुकर्रम, असद, मुअज्जम हुसैन रियाजी, इनामुलहक, काजी सुहैल इकबाल नगीना नगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी, हनीफ मंसूरी, आरिफ सिद्दीकी, इकबाल कुरैशी, काजी मेहराज, मुहम्मद नफीस, जावेद अहमद एडवोकेट, धर्मेंद्र पारस, खालिद निसार, मुहम्मद आरिफ, अब्दुल समद, इकबाल अहमद,जकी, अंजार अहमद, बाबू भाई, इबादुर्रहमान, सरदार अहमद, नफीस अहमद, शहजाद अहमद, मुकेश सैनी एडवोकेट, शमीम अहमद, भोला चौधरी, फैसल, सरफराज बब्बू, अजीम अहमद, आदि की मौजूदगी रही।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौके पर दर्दनाक मौत दो लोग गंभीर रूप से घायल

✹ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✹

राष्ट्रीय राजमार्ग 74 पर स्थित गांव मनोहरवाली के समीप मैक्स पिकअप महिंद्रा गाड़ी व आईसर केन्टर गाड़ी की भिड़ंत में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को पुलिस द्वारा 108 एंबुलेंस की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया गया।पुलिस ने मृतक युवक ताजुद्दीन उम्र 32 वर्षीय के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

सड़क दुर्घटना में दोनों गाड़ियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के गांव सीरवासुचंद निवासी मोहम्मद इमरान उम्र 30 वर्षीय पुत्र मोहम्मद गफ्फार शुक्रवार की सुबह सवेरे अपने साथी आरिफ उम्र 28 वर्षीय पुत्र रियासत व ताजुद्दीन पुत्र जमालुद्दीन निवासी गांव उदयपुर थाना रेहड़ के साथ धामपुर की ओर से मैक्स पिकअप महिंद्रा गाड़ी में मुर्गी फार्म से मुर्गा लेकर अफजलगढ़ की ओर जा रहे थे।

जैसे ही उनकी मैक्स पिकअप महिन्द्रा गाड़ी गांव मनोहरवाली कट के नजदीक पहुंची तो आगे जा रही गाड़ी आईसर केन्टर चालक विजयपाल पुत्र नोनीराम निवासी गांव दनकरा थाना कैमरी जिला रामपुर जो अपनी गाड़ी में कोल्डड्रिंक जीरा छोटी बोतल लेकर हरिद्वार उत्तराखंड से हरदोई जा रहा था।

गाड़ी में अचानक टक्कर लगने के दौरान मैक्स पिकअप महिंद्रा गाड़ी में सवार आगे बैठे ताजुद्दीन उम्र 32 वर्षीय निवासी गांव उदयपुर थाना रेहड़ की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि गाड़ी में सवार गाड़ी चालक गांव सीरवासुचंद निवासी मोहम्मद इमरान उम्र 30 वर्षीय तथा आरिफ उम्र 28 वर्षीय निवासी गांव उदयपुर थाना रेहड़ गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस की मदद से 108 एंबुलेंस द्वारा सीएचसी अफजलगढ़ में भर्ती कराया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वही पुलिस ने सड़क दुर्घटना में क्षतिग्रस्त दोनो गाड़ियों को अपने कब्जे में लिया है। मृतक युवक ताजुद्दीन के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर में भेजा गया है। थानाध्यक्ष सुमित राठी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक ताजुद्दीन उम्र 32 वर्षीय पुत्र जमालुद्दीन निवासी गांव उदयपुर थाना रेहड़ के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

बहला-फुसलाकर ले जाने के बाद किशोरी से दुष्कर्म

✹एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹

क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी पीड़ित किशोरी का रिश्तेदार है। किशोरी की मां की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी गिरफ्तार कर लिया। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला ने 13 मई को थाने पर एक शिकायत दी थी।

महिला के मुताबिक फरीदाबाद, हरियाणा के जस्सीपुरा निवासी सुमित उनका रिश्तेदार है। आठ मई को वह उनकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

दुष्कर्म के बाद सुमित उनकी बेटी को वापस घर पर छोड़ गया था। पूछताछ करने पर बेटी ने आरोपी की करतूत बताई, जिसके बाद महिला ने पुलिस में शिकायत दी। एसीपी का कहना है कि शिकायत के आधार पर सुमित के खिलाफ दुष्कर्म तथा पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया था। इसके बाद पीड़िता का मेडिकल परीक्षण तथा मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। एसीपी का कहना है कि शुक्रवार को 22 वर्षीय सुमित को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सुमित ने बताया कि वह पीड़ित किशोरी का रिश्तेदार है। रिश्तेदारी में आने-जाने के कारण करीब दो साल पहले उसकी पीड़िता से मुलाकात हुई। दोनों में बातचीत होती रहती थी। आठ मई को वह बहला-फुसलाकर किशोरी को अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

नगीना में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने पार्टी कार्यकर्ताओं से तिरंगा यात्रा को सफल बनाने का किया आवाहन

✹ एनसीआर टुडे. नगीना ✹

स्वागत समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान उर्फ बॉबी ने भाजपायों से मत भेद भुला कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के साथ तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए शनिवार को बिजनौर पार्टी कार्यालय पहुंचने का आहवान किया।

भूपेंद्र चौहान उर्फ बॉबी के पुनः भाजपा जिलाध्यक्ष बनने के उपरांत शुक्रवार की दोपहर को पहली बार स्टेशन रोड स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस गेस्ट हाउस पर पहुंचने पर भाजपा के क्षेत्रीय मंत्री अनुप वाल्मीकि भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अंजलि मित्तल, पूर्व विधायक सतीश गौतम, कृष्ण बलदेव सिंह, लवी मित्तल, सौरभ मित्तल, नीरज बिश्नोई, प्रहलाद कुशवाहा , प्रमोद चौहान, सचिन शर्मा आदि भाजपाइयों ने फूल मालाऐ पहना कर उनका जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने अपने संबोधन में पहलगाम की घटना का विस्तार से जिक्र करते हुए आतंकवादियों द्वारा धर्म पूछ पूछ कर 26 पर्यटकों की हत्या करने की घटना के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में देश के सैनिकों द्वारा पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों को मिट्टी में मिलाने और सैकड़ों आतंकवादियों को मौत के घाट उतारने के कार्य की प्रशंसा करते हुये बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के कारण भारत शौर्य का प्रतीत बना है इसलिए पूरे भारत में तिरंगा यात्राएं निकल जा रही है जिससे भारतीय सैनिकों का मनोबल और बढ़ सके और लोगों में देशभक्ति की भावना जागृत हो सके।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में बिजनौर पहुंचकर 17 मई शनिवार को जिला मुख्यालय पर निकाले जाने वाली तिरंगा यात्रा को सफल बनाने का आव्हान किया, उन्होंने यह भी बताया कि तिरंगा यात्राएं नगर पालिका के वार्ड स्तर, ग्राम पंचायत स्तर, बूथ स्तर, और नगर स्तर पर भी निकाली जायेंगी।

क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि की अध्यक्षता एवं प्रमोद चौहान के संचालन में आयोजित स्वागत समारोह में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीएम ने सभी ग्रामों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने पर दिया जोर

✹ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✹

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने खंड विकास अधिकारियों एवं एडीओ पंचायत का निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत शौचालय को अनिवार्य रूप से प्रयोग कराने के लिए प्रेरित करें ताकि गांव के बाहर गंदगी न होने पाए और ग्रामीण गुलदार के खतरे से भी सुरक्षित रह सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक एडीओ जिन ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान नहीं हैं।

पांच-पांच ग्रामों को चिन्हित कर 3 दिन की भीतर उसकी सूची उपलब्ध कराएं ताकि खेल के लिए मैदान के लिए भूमि का चिन्हांकन कर वहां खेल गतिविधियों को शुरू कराया जा सके।

उन्होंने निर्देश दिये कि प्रत्येक ग्राम में अभियान चलाकर ठोस एवं तरल अपशिष्ट

प्रबन्धन के निस्तारण के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए और डोर टू डोर कूड़ा एकत्र कार्य को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करें।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर आज शाम कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित कर रही थीं।

उन्होंने निर्देश दिए कि बीडीओ एवं एडीओ ग्राम पंचायत में आय के स्रोत बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास करें ताकि उन स्रोतों से होने वाली आय से ग्राम पंचायत में विकास के कार्य कराया जा सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि ग्रामीण पुस्तकालय और अधिक क्रियाशील और बहुउद्देशीय बनाने के लिए कार्य योजना बनाएं और ग्रामीण जनों को स्वयं एवं बच्चों को पुस्तकालयों से लाभान्वित करने के लिए जागरूक एवं प्रेरित करें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि रात्रि में अध्ययन करने के लिए प्रकाश की समुचित व्यवस्था करें और ग्राम प्रधानों को ग्रामीण पुस्तकालय से सम्बद्ध करते हुए उन्हें क्रियाशील करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी एडीओ ग्राम पंचायत के सार्वजनिक भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए सस्ते एवं टिकाऊ संयंत्रों की स्थापना कराना भी सुनिश्चित करें।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कार्यक्रम की प्रगति, स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत ओडीएफ प्लस की गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालन के लिए संस्थागत व्यवस्था सुनिश्चित करने, व्यक्तिगत शौचालयों की रेट्रोफिटिंग किये जाने, कूडा-कचरा प्रबन्धन, ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, तरल अपशिष्ट प्रबन्धन, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण आदि कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा करते संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, जिला पंचायत राज अधिकारी दमनप्रीत अरोड़ा, उपायुक्त मनरेगा एवं एनआरएलएम, समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं एडीओ पंचायत सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

संपादकीय

विभाजन की ओर बढ़ता पाकिस्तान?

पाकिस्तान की ओर से भारत के पहलगांव में हुए आतंकी हमले के बाद आखिरकार युद्ध विराम हो गया है, लेकिन इस युद्ध विराम के बाद फिर से सवाल उठने लगे हैं कि क्या आतंक को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान पर विश्वास किया जा सकता है। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि पूर्व में ऐसा कहने के बाद भी हर बार पाकिस्तान की ओर से कश्मीर में आतंकी घटनाएं की जाती रही हैं।

पहलगांव की घटना में आतंकवादियों ने निर्दोष 26 हिन्दु पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान पश्त हो गया। पाकिस्तान सरकार की ओर से युद्ध विराम के बारे में कहा गया कि इस समय पाकिस्तान को बचाने की जरूरत है। इस कथन का बहुत ही स्पष्ट आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अगर युद्ध जारी रहता तो पाकिस्तान नाम का देश इस धरती पर नहीं रहता। इसलिए पाकिस्तान ने अपने देश को बचाने के लिए ही यह राश्ता चुना। अमेरिका ने इस मामले में दखल देते हुए दोनों देशों के बीच सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की ओर से हमेशा यही कहा गया कि भारत आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अपना अभियान चला रहा है। इस मामले में विश्व के अधिकांश देश भारत के साथ खड़े होते दिखाई दिए, वहीं पाकिस्तान अकेला हो गया था।

इससे पाकिस्तान निराश हो गया। इसके अलावा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी माना जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर ग्रे सूची में आने का खतरा बढ़ता जा रहा था। एफएटीएफ की ओर से पाकिस्तान का ऐसी चेतावनी भी दे दी गई थी। अगर पाकिस्तान ग्रे सूची में आता तो उस पर कई प्रकार के प्रतिबंध लग सकते थे, जो पाकिस्तान के हित में नहीं होते। युद्ध विराम का एक बड़ा यह भी हो सकता है, क्योंकि आर्थिक रूप से बदहाल हो चुके पाकिस्तान को अब कर्ज भी मिल सकता है। जिसकी उसे बहुत आवश्यकता है। अब पाकिस्तान, भारत की जवाबी कार्यवाही से बच गया। लेकिन पाकिस्तान के अंदर ही अंदर जो लावा सुलग रहा है। पाकिस्तान की सरकार को उससे बचने का कोई राश्ता दिखाई नहीं दे रहा है। भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान ब्लूचिश्तान ने अपनी आजादी की लड़ाई को जारी रखते हुए पाकिस्तान की सेना को अपना निशाना बनाया।

यानी पाकिस्तान एक तरफ भारत से लड़ाई लड़ रहा था, वहीं दूसरी ओर उसे अपने ही देश में ब्लूचिश्तान की ओर से कड़ी चुनौती मिल रही थी। पाकिस्तान का आरोप था कि ब्लूचिश्तान को भारत भड़का रहा है। इसे इसलिए भी सच नहीं माना जा सकता, क्योंकि ब्लूचिश्तान ऐसी लड़ाई लम्बे समय से लड़ रहा है।

अभी कुछ महीने पहले ही बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की ट्रेन को हाईजैक करके पाकिश्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। अब यही कहा जा सकता है कि ब्लूचिश्तान शायद ही पाकिस्तान में रहे। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या पाकिस्तान विभाजन के राश्ते पर चल रहा है? क्योंकि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी ऐसी ही स्थिति दिखाई देती है। कई विशेषज्ञ यह दावा भी करते दिख रहे हैं कि पाकिस्तान चार टुकड़ों में विभाजित हो जाएगा। यह इसलिए भी कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के अंदर यही स्थिति बन रही है।

वर्तमान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहवाज शरीफ अपने ही देश की जनता के निशाने पर हैं। इसके अलावा पाकिस्तान की सेना और सेना के साथ कदम मिलाने वाले आतंकी संगठन सरकार के युद्ध विराम वाले निर्णय से नाखुश हैं। इसका परिणाम क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही बताने में समर्थ होगा। लेकिन यह पाकिस्तान की वाश्तविकता है कि युद्ध जैसी स्थिति बनने के बाद सेना और आतंकियों ने सरकार के समक्ष गंभीर संकट पैदा किया है। यहां तक कि सेना ने सरकार को अपदस्थ करके खुद सत्ता का संचालन किया है।

दूसरी बात यह भी है कि जंग के हालात पैदान करने के लिए पाकिस्तान की जनता सरकार और सेना प्रमुख को ही पूरी तरह से दोषी बता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने पहलगांव की घटना से तीन दिन पूर्व कहा था कि हिन्दू और मुसलमान एक साथ कभी नहीं रह सकते। इसके साथ ही यह भी कहा कि भारत का कश्मीर पाकिस्तान के गले की नस है। सेना प्रमुख का यह बयान मुसलमानों को भड़काने जैसा ही था। इसलिए पहलगांव की घटना को इसी बयान की प्रतिक्रिया स्वरूप माना जा रहा है।

पहलगांव की आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से आपरेशन सिन्दूर चलाकर पाकिस्तान स्थिति आतंकी शिविरों को नष्ट करके पाकिस्तान के आक्रमण की योजना को असफल कर दिया। भारत की ओर की गई जवाबी कार्रवाई में सौ से ज्यादा आतंकी मारे गए। यह पाकिस्तान के लिए जबरदश्त आघात ही था, क्योंकि पाकिस्तान की सरकार और सेना इन्हीं आतंकियों की दम पर भारत को आंखें दिखा रहा था।

इसके अलावा पाकिस्तान के हर आक्रमण को भारत ने असफल कर दिया। जिसके बाद पाकिस्तान बेदम सा होता चला गया। अब हालांकि युद्ध विराम हो गया है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या पाकिस्तान पर विश्वास किया जा सकता है। विश्वास करना इसलिए भी कठिन सा लग रहा है, क्योंकि पाकिस्तान में जो आतंकी शिविर चल रहे हैं, उनमें केवल और केवल भारत के विरोध में नफरत का पाठ पढ़ाया जाता है।यह नफरती फौज भविष्य में भारत में आतंक फैलाने के लिए ही तैयार की जा रही है। पाकिस्तान अगर वाश्तव में ही युद्ध विराम को लागू करना चाहता है तो उसे पाकिस्तान में चल रहे आतंकी शिविरों को समाप्त करना होगा। जब तक पाकिस्तान ऐसा नहीं करेगा। तब तक उस पर विश्वास करना कठिन ही है।

खैर... कुछ भी हो, पाकिस्तान अंदर से तो टूट ही रहा है, अब युद्ध विराम के बाद वहां की सरकार, सेना और जनता अलग अलग राग अलाप रहे हैं। इसकी परिणति पाकिस्तान के लिए खतरनाक भी हो सकती है।

विज्ञान व तकनीक से दूरसंचार में क्रांतिकारी बदलाव

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

17 मई को पूरी दुनिया में हर साल दूरसंचार दिवस मनाया जाता है। सन् 2005 में सबसे पहले दूरसंचार दिवस को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व सूचना समाज दिवस के रूप में घोषित किया। इसके बाद से ही 17 मई को विश्व दूरसंचार और सूचना सोसायटी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

वैसे विश्व दूरसंचार दिवस पहली बार 1969 में मनाया गया था। आइए आज इस खास मौके पर इस दिवस के बारे में कुछ और खास बाते जानते हैं। पहले अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ कन्वेंशन के हश्ताक्षर की वर्षगांठ भी 17 मई को पड़ता है। खास बात यह है कि यूएन ने जब विश्व दूरसंचार दिवस की घोषणा हुई तो उस दिन भी 17 मई ही थी।

2006 नवम्बर में, तुर्की के अंताल्या में आईटीयू प्लेनिपोटेंटरी सम्मेलन ने सत्रह मई को दोनों विश्व दूरसंचार और सूचना दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया, और तब विश्व दूरसंचार दिवस की घोषणा हुई तो उस दिन भी सत्रह मई ही थी। विश्व दूरसंचार दिवस पूरी दुनिया में इंटरनेट और संचार के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।

विश्व संचार दिवस का मकसद वैश्विक श्तर पर टेक्नोलॉजी और इंटरनेट के बारे में सकारात्मकता फैलाना है। विश्व दूरसंचार दिवस का उद्देश्य सुदूर और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सूचना और संचार दोनों को आसानी से सुलभ बनाना है।

वर्ष 2020 को 5 जी का साल कहा गया है। लेकिन कोरोना ने इस पर ब्रेक लगा दिया इसलिए इसे कुछ आगे बढ़ाया गया है। अब हालांकि 5 जी नेटवर्क के इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी बदलाव देखने को मिला है। और आने वाले समय में इसमें काफी विकास होगा। 2025 में तो 6जी की तैयारी भी शुरू हो गई है।

भविष्यवाणी की गई है कि 2025 में दुनियाभर में 5जी नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर रेवेन्यू लगभग 4.2 बिलियन डॉलर को छू जाएगा, जो लगभग 89 प्रतिशत की साल-दर-साल की वृद्धि दर्ज करेगा। क्लाउड कम्यूनिकेशनः 2025 में, क्लाउड कंम्यूनिकेशन पर होने वाला खर्च कुल तकनीक पर होने वाले खर्च का सत्तर फीसदी है।

2025 तक दुनिया भर में लगभग अस्सी फीसदी व्यवसाय क्लाउड कम्यूनिकेशन पर निर्भर हैं। खास बात यह है कि कोरोना महामारी ने इसकी योजनाओं पर कुछ व्यवधान तो जरूर डाला पर इसके विकास को और तेज कर दिया। डाटा एंड इंफ्रास्ट्रक्चरः डाटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट ने टेक्नोलॉजी को ऊपर ले जाने में काफी मदद की है।

विश्व दूरसंचार अंतर्राष्ट्रीय दिवस और सप्ताह दरअसल जनता को दुनिया भर के समस्या और सुधार के मुद्दों पर शिक्षित करने, वैश्विक समस्याओं को दूर करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसाधनों को जुटाने और मानवता की उपलब्धियों का जश्न मनाने और सुदृढ़ करने के अवसर हैं। ये अवसर् संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से पहले का है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में अपनाया है।

हम अन्य संयुक्त राष्ट्र के पालनों को भी चिह्नित करते हैं। एक विशेष दूरी पर संचारित करने के लिए संदेश-संकेतों की आवश्यकता होती है, और हम इस प्रक्रिया को दूरसंचार के रूप में जानते हैं। इससे पहले, दूर-दराज के लोगों को संदेशों को संवाद करने के लिए चिटठी, ड्रम, सेमफोर, झंडे या हेलीओग्राफ का उपयोग किया जाता था।

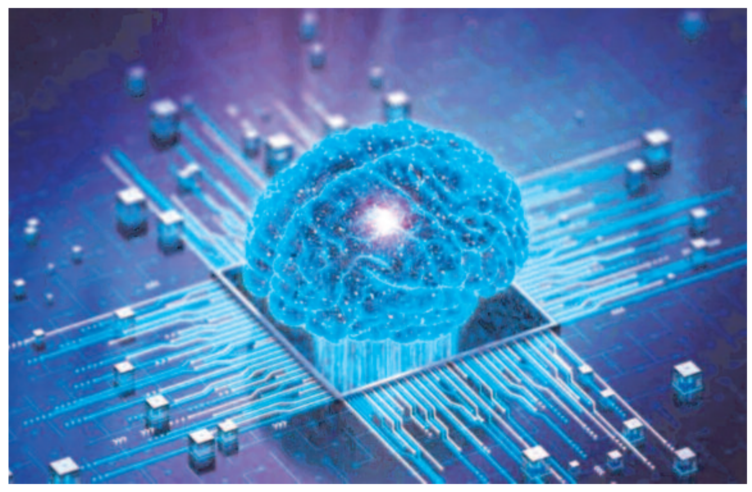

आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी के विकास के साथ दूरसंचार के लिए टेलीफोन, टेलीविजन, रेडियो या कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का अब उपयोग आम हो गया है। विश्व दूरसंचार दिवस को अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ की स्थापना की सालगिरह के रूप में भी चिह्नित किया जाता है। जिसे 1865 में शुरू किया गया था और पूरे विश्व में सत्रह मई को विश्व दूरसंचार दिवस मनाया जाता है।

भारत में संचार के रुप में टेलिफोन की शुरुआत 1880 में हुई जब दो टेलीफोन कंपनियों द ओरिएंटल टेलीफोन कंपनी लिमिटेड और एंग्लो इंडियन टेलीफोन कंपनी लिमिटेड ने भारत में टेलीफोन एक्सचेंज की स्थापना करने के लिए भारत सरकार से संपर्क किया। इस अनुमति को इस आधार पर अस्वीकृत कर दिया गया कि टेलीफोन की स्थापना करना सरकार का एकाधिकार था। और सरकार खुद यह काम शुरू करेगी।

1881 में सरकार ने अपने पहले के फैसले के खिलाफ जाकर इंग्लैंड की ओरिएंटल टेलीफोन कंपनी लिमिटेड को कोलकाता, मुंबई, मद्रास (चेन्नई) और अहमदाबाद में टेलीफोन एक्सचेंज खोलने के लिए लाइसेंस दिया। इससे 1881 में देश में पहली औपचारिक टेलीफोन सेवा की स्थापना हुई।

श्वि दूरसंचार दिवस वाश्तव में राष्ट्रीय नीतियों को बढ़ाने, तकनीकी मतभेदों को भरने, कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, सिस्टम की वैश्विक अंतः क्रियाशीलता को बढ़ावा देने के लिए भी और इसके साथ ही इंटरनेट, टेलीविजन, फोनदेश में पहली औपचारिक टेलीफोन सेवा की स्थापना भी हुई।

विश्व दूरसंचार दिवस राष्ट्रीय नीतियों को बढ़ाने, तकनीकी मतभेदों को भरने, कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, सिस्टम की वैश्विक अंतःक्रियाशीलता को बढ़ावा देने और इंटरनेट, टेलीविजन, फोन इत्यादि के माध्यम से वैश्विक श्तर पर भौतिक दूरी पर नियंत्रण करने के लिए केंद्रित है। आज संचार के कारण दो लोगों के बीच की दूरी कम हो पाई है।

पहले लोग पहले एक-दूसरे से बात किए बिना एवं उन्हें देखे बिना सालों तक दूर रहते थे किन्तु आज सूचना क्रांति के कारण उनकी दूरी एक क्षणभर की रह गई है। इंटरनेट की तेजी, मोबाईल फोन, कंप्यूटर, लैपटॉप इत्यादि के जरिए जिन लोगों से मुलाकात किए सालों बीत जाते थे, आज उनसे रोज बाते की जा सकती है। व्यक्ति के विकास में भी दूरसंचार ने अहम भूमिका निभाई है। आज कोई भी व्यक्ति इंटरनेट के जरिए अपनी शिक्षा ग्रहण कर सकता है। अपनी बात दूसरों तक आसानी से पहुंचा सकता है।

आज शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति लाने का श्रेय भी दूरसंचार तकनीक को ही जाता है। आज के समय में थ्री जी, फोर जी, फाइव और कई देशों में सिक्स जी के आ जाने से संचार के क्षेत्र मे क्रांति आ गइ है। इस तकनीक ने मोबाइल की दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। थ्री जी फोन सबसे पहले 2001 में जापान में लांच किया गया था। थ्री जी तकनीक के मोबाइल की सबसे बड़ी खासियत इसकी स्पीड है।

लेकिन आज दुनिया भर में थ्रीजी की तेजी के टक्कर देने के लिए फोर जी, फाइव जी, सिक्स जी मोबाइल इंटरनेट आ गए हैं। जो एक सेंकेड से भी कम समय में आपके संदेश को एक देश से दूसरे देश पहुंचा देते हैं। तकनीकी के आ जाने से आज सूचना पहुंचाना सबसे असान कार्य हो गया है।

सूचना संप्रेषण केवल पृथ्वी पर ही नहीं बल्कि अब तो अंतरिक्ष और अन्य ग्रहों के जरिए भी सूचना का आदान प्रदान संभव हो गया है।

ऑपरेशन सिंदूर में ट्रंप कहां हैं?

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

चार दिन के बाद ऑपरेशन सिंदूर थम गया। सीजफायर हो गया। सीजफायर यानी दोनों पक्षों ने फायर करना या गोलियां चलानी बंद कर दी हैं। हिंदी में इसका अनुवाद युद्धविराम बनता है। कायदे से दोनों देशों को युद्धविराम की घोषणा करनी चाहिए थी।

दोनों देशों ने ऐसा किया भी। लेकिन उनके घोषणा करने से दो मिनट पहले अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एकाऊंट पर युद्धविराम की सूचना ही नहीं दी, बल्कि यह भी कहा कि यह युद्धविराम मैंने कराया है। उसने केवल युद्धविराम की घोषणा ही नहीं की, बल्कि यह भी बताया कि दोनों देश किसी तीसरे तटस्थ देश में आपस में बातचीत करेंगे।

उसने बातचीत का विषय भी बताया कि कश्मीर पर बातचीत करेंगे। ट्रंप की इन बातों में कितनी सच्चाई है और कितना बड़बोलापन, यह परखना जरूरी है। लड़ाई के दिनों में दोनों देश अमरीका से बातचीत कर रहे होंगे, इसमें तो कोई शक नहीं हो सकता। न भी कर रहे हों, तो अमरीका इतना तो सक्षम है ही कि स्वयं मोनिटर कर सके। पहलगाम हमले के बाद अमरीका संवेदना व पाकिस्तान निंदा का जुबानी जमा खर्च करता रहा।

वहां के अखबार न्यूयार्क टाइम्स ने जब छापा कि पहलगाम पर उग्रवादी हमला हुआ है तो अमरीका प्रशासन ने चिल्ला कर कहा कि यह आतंकवादी हमला है और भारत को इसका उत्तर देने का पूरा अधिकार है। भारत ने तो पहले ही घोषणा की हुई है कि पाकिस्तान द्वारा प्रशिक्षित आतंकी हमला करेंगे तो भारत पाकिश्तान में घुसकर उनके ठिकानों पर हमला करेगा। यह उसने अपनी योजना के अनुसार किया भी। भारत ने इस प्रकार के नौ ठिकानों पर हमला किया और कहा जाता है उसमें लगभग एक सौ आतंकी, उनके सरगना और उनको प्रशिक्षित करने वाले मारे गए।

मारे गए आतंकियों के जनाजों में जिस प्रकार पाकिश्तानी सेना के लोग हाजिरी लगवा रहे थे और आंसू बहा रहे थे, उससे किसी को शक नहीं रह गया कि आतंकी परोक्ष रूप से पाकिश्तानी सेना की ही आतंकी रैजमेंट है। ऐसा नहीं कि अमरीका को यह सब पता नहीं था। उसके पास सामान्य तौर पर ये सब जानकारियां रहती हैं।

कभी-कभी पोखरण जैसा कोई अपवाद हो जाता है। आतंकी प्रशिक्षण केन्द्रों पर हमले के बाद भारत ने स्पष्ट कर दिया कि उसका कार्य व उद्देश्य पूरा हो गया है। यह हमला पाकिस्तान पर नहीं है, बल्कि यह आतंक पर हमला है जिसे भारत लंबे अरसे से झेल रहा है। हमारा काम पूरा हो चुका है। पाकिस्तान को इसमें पडन्ना नहीं चाहिए।

अलबत्ता यदि पाकिस्तान इसमें कूदा तो भारत उसका माकूल जवाब देगा। यह सूचना सार्वजनिक रूप से ही दी गई थी। इसलिए अमरीका तक भी पहुंच ही गई थी। अमरीका ने भी अपना स्टैंड स्पष्ट कर दिया कि यह भारत-पाकिस्तान का आपसी मामला है, अमरीका का इससे कुछ लेना-देना नहीं है। चीन पाकिस्तान का गहरा दोश्त माना जाता है। लेकिन उस समय वह भी जुबानी जमा खर्च तक ही सीमित रहा। पाकिस्तान ने यही उचित समझा कि आतंकियों के साथ कन्धे से कन्धा मिला कर खड़े होना होगा।

चीन व अमरीका भी चुपचाप तमाशा देखने के लिए तैयार थे। लेकिन उसका कारण दूसरा था। ये दोनों देश अब शुद्ध व्यापारी हैं। ट्रंप तो व्यक्तिगत तौर पर भी व्यापारी हैं। अमरीका तो पहले से ही है, लेकिन चीन ने जब से कार्ल माक्र्स को बाहर का राश्ता दिखा दिया है, तब से वह व्यापारी लक्ष्यों के अनुसार नीति बनाता-गिराता है। इन दोनों देशों ने न जाने गुणवत्ता की कितनी कहानियां सुना कर पाकिस्तान को अपने हथियार बेचे हुए हैं। इन देशों में जो कम्पनियां हथियार बनाती हैं, उनको दुनिया के सामने अपने माल की गुणवत्ता भी देखनी और दिखानी थी। हथियारों का उत्पादन चाकलेट के उत्पादन के समान नहीं है जिसकी गुणवत्ता ग्राहक तत्काल परख लेता है। हथियार की गुणवत्ता तो लड़ाई में ही परखी जाती है। यही कारण है कि अमरीका और चीन दोनों की इच्छा रही होगी कि पाकिस्तान जवाबी हमला करे। पाकिस्तान के पास तो कोई चारा ही नहीं था। यदि पाक सेना हमला नहीं करती तो सैयद आसिम मुनीर की सारी मुल्लागिरी उतर जाती है। अलबत्ता उसको भी विश्वास रहा ही होगा कि चीन और अमरीका के दिए हथियार रूपी कवच भारत को धूल चटा देंगे। इसलिए पाक सेना ने हमला कर दिया। आजकल हमले के तरीके बदल गए हैं। मामला ड्रोन और मिसाइलों से ही आगे बढ़ाया जाता है। पाकिस्तान ने इन दोनों तरीकों से हमला कर दिया। यह थल सेना की लड़ाई तो थी ही नहीं। हवा में हो रही इस लड़ाई में किसी देश का भी कोई सैनिक तो ड्रोन या मिसाइल के साथ होता नहीं।

इसलिए यह तकनीक की तकनीक से लड़ाई होती है। पाकिस्तान के पास जो चीन और अमरीका की दी हुई तकनीकें थीं, भारत को उसको अपनी तकनीक से रोकना था। इसी रोक पाने की क्षमता से ही सफलता या असफलता का निर्णय होने वाला था। सांस रोक कर अमरीका व चीन भी देख रहे थे। भारत ने पाकिश्तान द्वारा किए गए इस पहले हमले को सफलतापूर्वक रोक लिया। सभी मिसाइलों को आकाश में ही नष्ट कर दिया गया। ड्रोन को भी सफलतापूर्वक गिरा दिया गया।

इसमें रूस से खरीदे गए एस-400 एअर डिफेंस सिस्टम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ध्यान रहे जब भारत ने रूस से यह सिस्टम खरीदा था, तब अमरीका ने बहुत प्रयास किया कि भारत उससे यह सिस्टम न खरीदे। यहां तक कि उसने भारत पर अनेक प्रकार के प्रतिबंध लगाने की धमकियां दीं। लेकिन भारत नहीं झुका और एस-400 खरीदा। भारत में निर्मित ब्राह्मोस ने अद्भुत काम किया। भारत की स्वदेशी तकनीक से निर्मित आकाश ने भी अपनी गुणवत्ता साबित की।

इतना ही नहीं भारत का एयर डिफेंस सिस्टम पांच श्तरीय इनटिग्रेटिड था। इसका अर्थ है जब पाकिस्तान से कोई मिसाइल आती है तो उदाहरण के लिए मान लें कि जब वह तीन सौ किलोमीटर दूर है तो इनटिग्रेटिड सिस्टम चालू हो जाता है। पहले श्तर पर उसे गिराने की कोशिश होती है। यदि वह असफल हो जाता है और मिसाइल आगे निकल जाती है तो दूसरा श्तर सक्रिय हो जाता है।

इस प्रकार पांच श्तरों पर कोशिश होती है। यही कारण है कि पाकिस्तान के हमले की मिसाइलों और ड्रोनों को पांच श्तरों में से किसी न किसी श्तर पर नष्ट कर दिया गया। अब चीन और अमरीका चौंके। लेकिन अब पाकिस्तान के हमले का उत्तर देने की बारी भारत की थी। भारत ने पाकिस्तान के लगभग सभी सैन्य ठिकानों को अपनी हिट लिस्ट में शामिल कर लिया। पाकिस्तान तो चिंतित था ही, उससे ज्यादा चिंता चीन और अमरीका को थी। उनके माल की परीक्षा होने वाली थी। यदि माल और तकनीक भारत के हमले में पिट गई तो क्या व्यापारियों का माल बिकना बंद नहीं हो जाएगा।

उसने उत्तर दिया और वह उत्तर दुनिया ने देखा। पाकिस्तान को चीन ने जो एयर डिफेंस सिस्टम पता नहीं कितनी कहानियां सुना कर बेचा था, वह तकनीक पिट गई। यही स्थिति अमरीका द्वारा दिए गए सिस्टम की हुई। अब अमरीका की भूमिका का दूसरा रूप शुरू हुआ। अब तक वह तमाशा देख रहा था, लेकिन अब उसके माल की भद्द पिटने लगी थी। उसके हथियारों की दुकानों के आगे लगी खरीददारों की भीड़ चौकन्ना होने लगी थी।८

पाकिस्तान के पास तो कोई विकल्प ही नहीं था। लेकिन पाकिस्तान की समस्या दूसरी थी। वह भारत से सीधी बात नहीं करना चाहता था। उसको लगता था कि इससे उसकी अपनी जनता के सामने हेठी होती है। इसलिए उसने अमरीका से गुहार लगाई कि यह लड़ाई बंद होनी चाहिए। अमरीका ने भारत को पाकिस्तान का यह संदेश दिया। भारत ने कहा लड़ाई के दरम्यान इस प्रकार की बातचीत दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच होती है। दोनों डीजीएमओ की बात गोलीबारी बंद करने को लेकर हो गई। इसी बीच, हो सकता है पाकिस्तान ने फजीहत से बचने के लिए, ट्रंप से युद्धविराम की घोषणा करवा दी। अब ट्रंप ही इसका श्रेय ले रहा है। यह अमरीका की चाल है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार है)

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

ललित गर्ग

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोश्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है।

उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है।

चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विश्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है।

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वाश्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है।

इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है।

चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इश्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया।

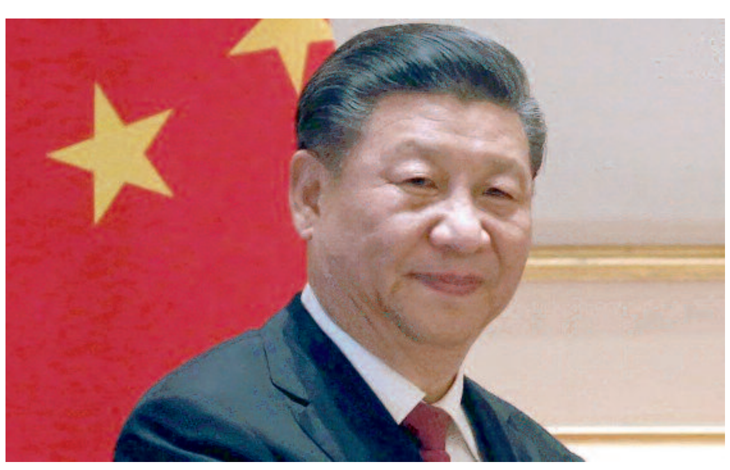

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा।

पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विश्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है।

चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है।

अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दश्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है।

भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे।

भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोश्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है।

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इश्तेमाल करता रहा है।

जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है।

भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वश्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में बाइक सवार छात्र को कंटेनर ने रौंदा, घर से परीक्षा देने के निकला था, रास्ते में हो गया हादसा

मुरादाबाद, एजेंसी। मैनाठेर क्षेत्र बाइक सवार बीकॉम छात्र को कंटेनर ने रौंद दिया। इससे संभल के हयातनगर निवासी छात्र अक्षय की मृत्यु हो गई। छात्र मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज में परीक्षा देने के लिए आ रहा था।

संभल के थाना हयातनगर क्षेत्र के गांव दौलतपुर वाजिदपुर निवासी राजकुमार का बेटा अक्षय मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज का बीकॉम का छात्र था। इस समय अक्षय की परीक्षा चल रही थी।

शुक्रवार को सुबह करीब छह बजे छात्र बाइक से परीक्षा देने के लिए आ रहा था। जैसे ही वह मैनाठेर क्षेत्र के संभल मुरादाबाद रोड स्थित पुल पर पहुंचा तो पीछे से आ रहे कंटेनर ने बाइक सवार छात्र को रौंद दिया।

हादसे के बाद चालक कंटेनर को लेकर फरार हो गया। जानकारी पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस घायल को जिला अस्पताल लेकर आई, लेकिन चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर परिजन भी पहुंच गए।

अस्पताल में तीमारदार और स्टाफ के बीच चल गए लात-घूंसे, बेड शीट पर खून देखकर बिगड़ा मामला

अलीगढ़, एजेंसी। एक अस्पताल में तीमारदार और अस्पताल स्टाफ भिड़ गए। जमकर लात-घूंसे चले। इसमें तीमारदार घायल हो गया। पुलिस, स्टाफ के दो कर्मी को थाने ले आई। युवक को अस्पताल में भर्ती कराया है।

शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे का यह मामला क्वार्सी क्षेत्र में एटा चुंगी बाईपास पर क़यामपुर की ओर हार्दिक हॉस्पिटल का है। गुरुवार को हाथरस जिले के शिकन्दराराउ निवासी नेम सिंह को इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी किडनी में इंफेक्शन था।

अस्पताल स्टाफ ने जांच के लिए ब्लड का नमूना लिया। बताया जा रहा है कि खून अधिक निकलने से बेड शीट पर लग गया। इससे स्वजन को लगा कि जांच के नाम पर ज्यादा खून निकाल लिया है।

मोबाइल पर बात करते हुए युवती ने नदी में लगा दी छलांग, दूसरे दिन इस हाल में मिला शव

बस्ती, एजेंसी। नगर थानाक्षेत्र के कुआनो नदी स्थित मोहटा घाट पर गुरुवार की सुबह मोबाइल पर बात कर रही किशोरी ने अचानक पुल से नदी में छलांग लगा दी थी।

काफी तलाश के बाद पहले दिन पता नहीं लगा। घटना के दूसरे दिन सुबह करीब आठ बजे नदी में उतराता शव पुलिस ने बरामद किया। सूचना लगते ही एसओ नगर देवेन्द्र सिंह मौके पर गोताखोरों के साथ पहुंच कर किशोरी का शव नदी से बाहर निकलवाया।

एसओ ने बताया कि किशोरी की पहचान कर ली गई है। वह क्षेत्र के ककराई गांव के रहने वाले हीरालाल की बेटी 16 वर्षीय रोशनी थी। स्वजन ने बताया कि घर वालों पर किसी बात से गुस्सा होकर निकल गई थी। मोहटा घाट पर जाकर कुआनो में छलांग लगी दी थी। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भर कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नर्सरी के छात्र की स्कूल में संदिग्ध हालत में मौत, हंगामा;

नैनी, एजेंसी। महेवा स्थित डीडीएस जूनियर हाईस्कूल में गुरुवार को सुबह नर्सरी के एक छात्र की अचानक तबीयत बिगड़ गई। स्कूल में मौजूद शिक्षक व कर्मचारी उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर देख कर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर उसके स्वजन विद्यालय पहुंचे और कक्षा में मौजूद शिक्षक पर पिटाई का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। यह देखकर स्कूल के शिक्षिक व कर्मचारी भाग निकले। नैनी पुलिस ने स्थिति को संभाला। मामले में स्कूल प्रबंधन व शिक्षिकाओं के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी गई है। महेवा पश्चिम पट्टी निवासी वीरेंद्र जायसवाल के दो बेटे और एक बेटी में सबसे छोटा पुत्र चार वर्षीय शिवाय जायसवाल महेवा स्थित डीडीएस जूनियर हाईस्कूल में नर्सरी में पढ़ता था। वह गुरुवार को स्कूल गया था।

हरदोई हादसा : सड़क पर बिखरी लाशें, ऑटो में भी फंसे थे शव

अंकित के दोनों पैर कटकर रोड पर गिरे

हरदोई, एजेंसी। हरदोई के संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक और ओवरलोड ऑटो की टक्कर में मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सड़क पर लाशें बिखरी हुई थीं। एक युवक के दोनों पैर भी कट गए।

हरदोई में संडीला बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक की टक्कर लगने के बाद चालक और एक सवारी के शव ऑटो में ही फंस गए। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मशक्कत कर दोनों के शव बाहर निकलवाए। इतना ही नहीं कई शव सड़क पर भी बिखरे पड़े थे। इन शवों को पुलिस कर्मियों ने फौरन ही उधर से गुजर रहे एक पिकअप को रोककर उसमें रखवाया। इसके बद इन्हें मोर्चरी भेजा गया।

कासिमपुर थाना क्षेत्र के बाजारखेड़ा निवासी रंजीत ऑटो चला रहा था। मलहनखेड़ा निवासी अरविंद भी रंजीत के पास ही बैठा था। चावल लदे ट्रक की टक्कर लगने पर ऑटो पलट गया।

पलटने के दौरान इसमें सवार पिंकी, फूलजहां, अंकित सड़क पर जा गिरे। मौके पर ही इनकी की भी मौत हो गई। इनके शव सड़क पर बिखरे पड़े थे। रंजीत और अरविंद ऑटो का अगला हिस्सा बिल्कुल पिचक जाने से इसमें ही दब गए। राहगीरों ने फौरन ही दोनों को निकालने की कोशिश की शुरू की, लेकिन लगभग दस मिनट बाद पहुंची पुलिस ने किसी तरह दोनों को बाहर निकाला। हालांकि, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। दोनों को ऑटो से निकालने की कोशिश में एक सिपाही के हाथ में भी चोट लग गई।

कछौना कोतवाली क्षेत्र के बहदिन निवासी अंकित (20) के हादसे के दौरान दोनों पैर कट गए। इसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर लगने से कटे उसके दोनों पैर सड़क पर बिखरे नजर आए। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दोनों पैर शव के साथ ही रखवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे।

घटना के बाद सड़क पर खून ही खून फैला नजर आ रहा था। राहत कार्यों के लिए पहुंच रहे वाहनों के पहिये खून पर पड़ रहे थे तो खून की छीटें आसपास खड़े लोगों पर पड़ रही थीं। ऐसे में स्थानीय लोगों ने पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर खून पर मिट्टी डालना शुरू की। काफी देर तक मिट्टी डालने के बाद खून दिखना बंद हुआ और तभी वाहनों को आवागमन की छूट भी दी गई।

संडीला कोतवाल विजय कुमार ने बताया कि घटना के बाद शवों का पोस्टमार्टम संडीला सीएचसी में कराया गया। इसके बाद एक-एक एंबुलेंस की व्यवस्था कर शवों को उनके परिजनों के साथ भेज दिया गया। घटना में मृत मां बेटे के शव एक साथ एक एंबुलेंस से ही भेजे गए। बाकी सभी के लिए अलग-अलग एंबुलेंस की व्यवस्था की गई।

उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरलोड ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। ऑटो में नौ लोग सवार थे। दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने ट्रक चालक राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। दुर्घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दुख जताया है। हरदोई के संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक और ओवरलोड ऑटो की टक्कर में मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

कासिमपुर थाना क्षेत्र के बाजार खेड़ा निवासी रंजीत (27) ऑटो चलाता था। बृहस्पतिवार सुबह वह उन्नाव जनपद के बांगरमऊ से सवारियां ऑटो में बैठाकर संडीला जा रहा था। ऑटो में चालक समेत नौ लोग सवार थे। कासिमपुर थाना क्षेत्र के संडीला बांगरमऊ मार्ग पर हरदलमऊ गांव के पास संडीला की तरफ से आ रहे चावल लदे ट्रक की ऑटो से भिड़ंत हो गई।

डूबते भाई को बचाने के लिए तालाब में कूदी बहन, दोनों की मौत, परिवार में मचा कोहराम

लखनऊ, एजेंसी। सुल्तानपुर के मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में डूब रहे भाई को बचाने के लिए बहन तालाब में कूद गई। दोनों की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

सुल्तानपुर के मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के बबरही गांव में बृहस्पतिवार को दर्दनाक हादसा हुआ। यहां दो सगे भाई-बहन की तालाब में डूबने से मौत हो गई। एक ही परिवार में दो बच्चों की मौत से कोहराम मचा गया है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर विधिक कार्रवाई शुरु कर दी है।

जानकारी के अनुसार, बबरही गांव निवासी रामहित यादव कोलकाता में गाड़ी चालक हैं। उनके घर से 50 मीटर दूर पर एक तालाब है। बताया जा रहा है कि तालाब को गांव के ही रामबहादुर यादव ने मछली पालन के लिए ले रखा है। बृहस्पतिवार को तालाब में रामहित की भैंस डूबने लगी और भैंस को बचाने के चक्कर में उनका 12 वर्षीय पुत्र आदर्श यादव तालाब में कूद गया लेकिन तैराकी न आने के कारण वो डूबने लगा। दूर से भाई को डूबता देख बहन विनीता यादव (15) भी उसे बचाने के लिए तालाब में कूद गई। दोनों को डूबता देख गांव के एक व्यक्ति ने उन्हें बचाने का प्रयास किया लेकिन वो भी विफल हो गया और दोनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई।

मामले की सूचना पुलिस को दी गई। उधर बच्चों की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां नीलम यादव, भाई अजीत यादव (27), अनुपम (19) और पूजा (17) रो-रोकर बेसुध हो गए।

सूचना पाकर मौके पर पुलिस टीम के साथ एसओ विजय सिंह, एसडीएम जयसिंहपुर, शिव प्रसाद, लेखपाल लाल बहादुर श्रीवास्तव भी पहुंचे। पुलिस टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिवार को ढांढस बंधाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सुहागरात पर दुल्हन छूमंतर, सच्चाई सामने आते ही दूल्हे के उड़ गए होश, भागा-भागा पहुंचा पुलिस के पास

आगरा, एजेंसी। एत्माद्दौला के सीतानगर से लुटेरे दुल्हन गहने और नकदी चुराकर फरार हो गई। चार अप्रैल को हुई इस घटना के बाद परिवार रिपोर्ट लिखाने के लिए भटकता रहा। शादी कराने वाला बिचौलिया उन्हें बरगलाता रहा। पीड़ित ने विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह से शिकायत की। विधायक के साथ पुलिस आयुक्त से मिले। इसके बाद थाना एत्माद्दौला में मुकदमा दर्ज किया गया है। सीतानगर की कुसुमा ने पुलिस को बताया कि वह बेटे रिंकू के लिए रिश्ता ढूंढ रही थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात अधिवक्ता जयप्रकाश धाकरे से हुई। उसने लड़की के गरीब परिवार का होने की जानकारी दी।

दोनों ओर का शादी का खर्च उठाने पर रिश्ता कराने का वादा किया। मिर्जापुर की युवती अंतिमा बताकर लड़की की फोटो दिखाई। उसके कथित मामा रामरतन, फूफा यादराम और बुआ से मिलवाया। रिश्ता पक्का कर चार मई की दोपहर 1.20 लाख रुपये ले लिए। शाम सात बजे नगला पदी के महादेव मंदिर में शादी करवा दी। नौ बजे वह बेटे और बहू को लेकर घर आईं। इसके बाद रात दो बजे दुल्हन बेटे रिंकू को नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर दिया।

सोने की अंगूठी, पायल और 1.30 लाख रुपये लेकर फरार हो गई। इंस्पेक्टर देवेंद्र दुबे ने बताया कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मुठभेड़ में महिला से लूट के आरोपी को लगी गोली, मचा हड़कंप

गोरखपुर, एजेंसी। रेलवे स्टेशन के सरदार तिराहे पर महिला से लूट करने वाले बदमाशों में से एक को कैंट पुलिस ने गुरुवार की देर रात मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया। बदमाश की पहचान पिपराइच में रहने वाले सूरज चौहान के रूप में हुई है, जिसे पैर में गोली लगी है।

सूरज पिपराइच के जंगल धूसड़ नंबर दो गांव का रहने वाला है। उसका साथी बिल्लू अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस को लूटा गया मोबाइल, दस्तावेज और हथियार बरामद हुए हैं।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि 30 अप्रैल 2025 को महेशरा गांव निवासी सरिता देवी अपने पति धर्मेंद्र के साथ मायके से ससुराल लौट रही थीं। सरदार तिराहे के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें घेरकर पर्स लूट लिया। पर्स में चांदी की अंगूठी, मोबाइल, 2000 नकद, एटीएम, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज थे। पीड़िता की तहरीर पर कैंट थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया गया था। पुलिस और लुटेरों के बीच मुठभेड़ हुई। गुरुवार की रात करीब एक बजे कैंट पुलिस विंध्यवासिनी पार्क के पीछे लिंक रोड पर चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को रोकने की कोशिश की गई, तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश सूरज चौहान को बाएं पैर में गोली लगी। उसका साथी बिल्लू उर्फ राम सुधारे निषाद भाग निकला। पुलिस ने मौके से एक तमंचा, दो खोखा व दो जिंदा कारतूस, सरिता देवी का मोबाइल, तीन एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की। एसपी सिटी ने बताया कि सूरज पर कुल 33 मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज हैं।

भूमि विवाद में बुजुर्ग की मौत के बाद ग्रामीणों का चक्का जाम, पुलिस ने दिलाया भरोसा

बस्ती, एजेंसी। लालगंज थानाक्षेत्र के कोप गांव में पांच दिन पूर्व भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान गुरुवार को मृत्यु हो गई थी। गुरुवार को लालगंज चौकी के सामने शव को रख कर ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया गया।

लगभग डेढ़ घंटे मार्ग अवरुद्ध रहा है सूचना पाकर मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक शशांक शेखर राय ने समझा बूझकर जा रास्ता खुलवाया। उन्होंने ने बताया कि मारपीट की घटना में प्राणघातक हमले समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज है। गिरिजा की मृत्यु के बाद मुकदमे में धाराएं बढ़ाई जाएंगी। सभी आरोपितों की गिरफ्तारी जल्द से जल्द की जाएगी। मालूम हो कि कोप गांव में विक्रम यादव और गिरजा यादव के बीच भूमि को लेकर विवाद चल रहा था। प्रकरण न्यायालय में लंबित है। उसी जमीन को लेकर बीते रविवार को दोनों पक्षों में लाठी-डंडा, पत्थर आदि से मारपीट हो गई थी। जिसमें दोनों पक्ष से कई लोग घायल हुए थे। मारपीट में गंभीर रूप से घायल गिरिजा पक्ष के शेषनाथ की तहरीर पर घटना के दूसरे दिन लालगंज पुलिस ने विक्रम यादव, दुर्गावती, दुरपत्ता, रामअशीष और रंजना सहित पांच लोगों के खिलाफ मारपीट व विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया था। दूसरे पक्ष से भी लोग घायल हुए थे।

ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में अदाणी ग्रुप का बड़ा फैसला, बंद की एयरपोर्ट पर ड्रैगन पास से फ्री लाउंज सुविधा

लखनऊ, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले हालात के बीच अब चीन की कंपनी के जारी पास से एयरपोर्ट पर लाउंज सुविधा देने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। अदाणी ग्रुप के नियंत्रण वाले लखनऊ सहित कई एयरपोर्ट के डोमेस्टिक यात्रियों के लिए बने लाउंज में ड्रैगन पास की सुविधा नहीं मिलेगी। अदाणी ग्रुप के नियंत्रण में लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के अलावा गुवाहाटी, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट सहित देश के कई एयरपोर्ट पर बने डोमेस्टिक लाउंज का उपयोग यात्री कर रहे हैं। ड्रैगन पास चीन की कंपनी है जो लाउंज की सुविधा के लिए तय शुल्क लेकर यात्रियों को कार्ड प्रदान करती है। ड्रैगन पास की क्लासिक सदस्यता, प्रेफरेंशियल सदस्यता और प्रेस्टीज सदस्यता के लिए अलग-अलग शुल्क निर्धारित हैं। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के प्रवक्ता ने बताया कि ड्रैगन पास के साथ हमारी साझेदारी, जो एयरपोर्ट लाउंज तक पहुंच प्रदान करती थी, को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। यह बदलाव अन्य ग्राहकों के एयरपोर्ट लाउंज और यात्रा अनुभव पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा।

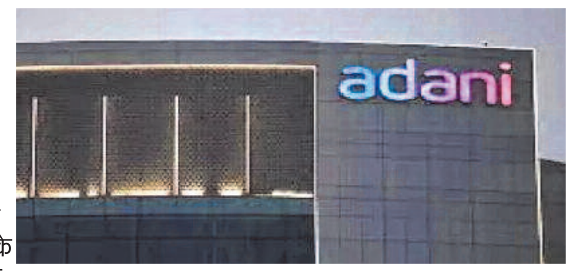

फेसबुक पर दोस्ती कर 10.66 लाख रुपये ठगे, सीए को शादी का दिया था झांसा

कानपुर, एजेंसी। एसीजेएम प्रथम अभिनव तिवारी ने फेसबुक पर चार्टर्ड एकाउंटेंट से दोस्ती कर 10.66 लाख रुपये रुपये ठगने वाली युवती व उसके स्वजन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश नजीराबाद थाना प्रभारी को दिए हैं। पुलिस के रिपोर्ट न दर्ज करने पर चार्टर्ड एकाउंटेंट ने कोर्ट में प्रार्थनापत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कहा था।

अधिवक्ता संजय कुमार सिंह ने बताया कि जवाहर नगर निवासी चार्टर्ड एकाउंटेंट आनंद कुमार झा ने रांची की रहने वाली ईशा, उसकी मां रानी देवी, पिता शैलेंद्र किशोर, भाई विशाल पांडेय व मित्र शिवम कुमार के खिलाफ कोर्ट में अर्जी दी थी।

इसमें कहा था कि फेसबुक पर उनकी दोस्ती ईशा कुमारी से हुई। उसने शादी का झांसा देकर 10,66,452 रुपये ऐंठ लिए। रकम ईशा ने अपने, अपनी मां रानी देवी, मित्र शिवम कुमार के बैंक खातों में मंगाई। बाद में उसे झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने लगी। पता चला कि ईशा शादीशुदा है और उसका अपने पति अभय से रांची में मुकदमा भी चल रहा है।

अपर जिला जज 11 सुभाष सिंह की कोर्ट ने फर्जीवाड़ा कर दूसरे का मकान बेच देने वाले की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। बीटेक मैकेनिकल इंजीनियर त्रिपुरेश मिश्रा ने नौबस्ता थाने में हमीरपुर निवासी बृजबिहारीलाल, फतेहपुर के बिंदकी निवासी प्रत्यूष कुमार, सीसामऊ निवासी सक्षम सोनकर व फतेहपुर के अमौली निवासी आनंद कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इसमें कहा कि बूढ़पुर मछरिया में उसका एक पैतृक प्लाट है। इसका पट्टा पंजाब फ्रंटियर सहकारी आवास समिति लिमिटेड ने वर्ष 1985 में उसकी मां करुणा देवी मिश्रा के पक्ष में किया था। इसके बाद मकान का निर्माण हुआ लेकिन कूटरचित दस्तावेजों के जरिए बृजबिहारी ने फर्जी पट्टा तैयार किया। इसके बाद प्रत्यूष को मकान की रजिस्ट्री कर दी।

इसमें सक्षम व आनंद गवाह बने। कब्जा करने की नीयत से एक दीवानी वाद दाखिल कर दिया। कोर्ट का सम्मन मिलने पर त्रिपुरेश को जानकारी हुई तो उससे 25 लाख रुपये रंगदारी मांगी गई। पुलिस ने बृजबिहारी लाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। बृजबिहारी ने जमानत अर्जी दाखिल की थी लेकिन कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए अर्जी खारिज कर दी।

कोर्ट ने एसीपी से तिथिवार रिपोर्ट मांगी

विवेचक द्वारा छह माह पहले चार्जशीट भेजे जाने के बावजूद एसीपी स्वरूप नगर द्वारा अब तक चार्जशीट कोर्ट नहीं भेजी गई। इस पर सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट ने एसीपी से 22 मई तक तिथिवार रिपोर्ट मांगी है। अधिवक्ता आकांक्षा सविता ने बताया कि फजलगंज में दुर्घटना में घायल होने के मुकदमे में एक साल बाद भी आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल नहीं किया गया था। इस पर उन्नाव के गोविंद सविता की ओर से प्रार्थना पत्र देकर कोर्ट से विवेचना की प्रगति जानने के लिए विवेचक से रिपोर्ट मंगाए जाने की मांग की गई थी। विवेचक ने रिपोर्ट में कहा था कि नवंबर 2024 को ही चार्जशीट एसीपी स्वरूप नगर कार्यालय में भेजी जा चुकी है। एसीपी कार्यालय से रिपोर्ट मंगाई गई लेकिन कई बार आदेश के बावजूद रिपोर्ट नहीं भेजी गई। इस पर सीजेएम ने एसीपी से 22 मई तक रिपोर्ट देने को कहा है।

टेस्ट कप्तानी की रेस में राहुल का नाम

नईदिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 7 और 12 मई को टेस्ट से संन्यास ले लिया। उनके रिटायरमेंट से टीम में लीडरशिप की कमी हो गई। रोहित 4 साल से कप्तान थे, वहीं कोहली की कप्तानी में टीम ने 8 साल तक विदेश में 15 टेस्ट जीते। जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा ही टीम के सीनियर प्लेयर बचे। राहुल और बुमराह को कप्तानी का अनुभव है। वहीं युवा शुभमन गिल और ऋषभ पंत भी कप्तानी की रेस में बने हुए हैं।

बुमराह बड़े दावेदार, फिटनेस परेशानी

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 2 टेस्ट में कप्तानी की। पर्थ में टीम को जीत मिली, लेकिन सिडनी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया। मुकाबले की पहली पारी में ही बुमराह इंजर्ड हो गए, उन्हें बैक स्पास्म की शिकायत हुई। जिसके बाद वह मैच में दोबारा बॉलिंग नहीं कर सके, इस कारण भारत दूसरी पारी में दबाव भी नहीं बना सका।बुमराह अक्सर फिटनेस से जूझते नजर आए हैं, 2022 में आखिरी बार इंजर्ड होने के बाद वह करीब 15 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। उन्हें लंबी टेस्ट सीरीज के दौरान 1-2 मैच का रेस्ट देना भी जरूरी होता है। भारत में तो जीतने के लिए बुमराह का सभी मैच खेलना जरूरी भी नहीं। इसलिए उनका परमानेंट कप्तान बनना मुश्किल है।फिर भी अगर बुमराह कप्तान बने तो टीम को 1 या 2 उप कप्तान बनाने होंगे, जो बुमराह की गैरमौजूदगी में जिम्मेदारी संभालते रहें। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुमराह ने फिटनेस का हवाला देते हुए कप्तानी करने से मना कर दिया है। उनका इंग्लैंड में सभी मैच खेलना भी मुश्किल है।

फिटनेस की वजह से पिछड़ सकते हैं बुमराह, युवा शुभमन और पंत भी दावेदार

ऋषभ पंत इंग्लैंड में सेंचुरी लगा चुके

भारत की मौजूदा टीम में कुछ ही प्लेयर्स ऐसे हैं, जिनकी प्लेइंग-11 में जगह खतरे में नहीं दिखती। ऋषभ पंत उनमें से एक हैं। पंत पिछले 6 साल में दुनिया के बेस्ट विकेटकीपर बैटर बन चुके हैं। वे इस फॉर्मेट में कई मैच विनिंग पारियां खेल चुके हैं। पंत ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड में शतक लगाने वाले इकलौते भारतीय विकेटकीपर भी हैं।पंत को कप्तान बनाना थोड़ा रिस्की हो सकता है, क्योंकि उनकी बैटिंग भी बहुत रिस्की रहती है। मैनेजमेंट अगर उन्हें कप्तान बनाए तो टीम को उनकी बैटिंग की तरह ही कप्तानी में भी चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिल सकते हैं। पंत ने किसी भी फॉर्मेट में भारत की कप्तानी नहीं की। हालांकि, उन्हें आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव जरूर है।

शुभमन कप्तानी की रेस में सबसे आगे

शुभमन कप्तानी की रेस बुमराह के बाद सबसे आगे चल रहे हैं। वे वनडे और टी-20 में टीम की कप्तानी कर चुके हैं। युवा बैटर्स में यशस्वी, पंत और शुभमन ही फिलहाल परमानेंट नजर आते हैं। शुभमन 25 साल के हैं और लगभग इसी उम्र में विराट ने भी कप्तानी संभाल ली थी।अगर शुभमन अभी कप्तान नहीं भी बने तो टीम उन्हें उप कप्तान बनाकर आगे के लिए तैयार कर सकती है।

आईपीएल 2025 शुरू होने से पहले तिरुपति मंदिर पहुंचे संजीव गोयनका, मांगीं मन्नतें

तिरुमाला (आंध्र प्रदेश) (एजेंसी)। आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप के चेयरमैन और लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल टीम के मालिक संजीव गोयनका और उनके परिवार ने तिरुपति तिरुमाला मंदिर में दर्शन किए और प्रार्थना की। भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित यह मंदिर, जो भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, भारत के सबसे अधिक दर्शन किए जाने वाले धार्मिक स्थलों में से एक है, जो हर साल लाखों भक्तों को आकर्षित करता है।

संजीव गोयनका और उनके परिवार का मंदिर दर्शन भारतीय प्रीमियर लीग के इस सीजन के फिर से शुरू होने से एक दिन पहले हुआ। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था। इससे पहले गुरुवार को, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव को चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शेष सीजन से बाहर कर दिया गया। आईपीएल ने एक बयान जारी कर इस फैसले की घोषणा की। 22 वर्षीय यादव को न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओराउरके ने रिप्लेस किया है। उन्हें पीठ की चोट है।

लखनऊ सुपर जायंट्स की स्थिति

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) वर्तमान में आईपीएल 2025 अंक तालिका में 7वें स्थान पर है, उनके पास 11 मैचों में 10 अंक हैं।उनकी नेट रन रेट (एनआरआर) -0.469 है। एलएसजी ने 14 लीग मैचों में से 5 जीते और 6 हारे हैं। प्लेऑफ में क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाएं कम हैं, क्योंकि शीर्ष चार टीमें (गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स, और मुंबई इंडियंस) के पास 14 से 16 अंक हैं। लखनऊ को अपने बाकी बचे मैच जीतने होंगे और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा।

मयंक यादव साल में तीसरी बार चोटिल, आईपीएल से हुए बाहर, बीसीसीआई पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (पूर्व में एनसीए) को उस समय शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब भारत के उभरते तेज गेंदबाज मयंक यादव को पीठ की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर होना पड़ा। लखनऊ सुपर जायंट्स ने घोषणा की कि मयंक की जगह न्यूजीलैंड के विलियम ओ'राउरके शेष टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल होंगे। मयंक ने छह महीने के 'रिहैबिलिटेशन' के बाद वापसी की थी, लेकिन दो मैचों में 8 ओवरों में 100 रन देकर केवल 2 विकेट ले सके। उनकी गेंदबाजी की गति में 15 किमी प्रति घंटे की कमी देखी गई और उनके गेंदबाजी एक्शन में भी बदलाव नजर आया। रिकॉर्ड के अनुसार, मयंक ने 30 मार्च 2024 से 4 मई 2025 के बीच 9 टी20 मैच खेले, जिसमें पिछले साल लखनऊ के लिए 4 मैच शामिल थे, जहां उन्होंने 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सुर्खियां बटोरी थीं।

आईसीसी के फैसले से टीम इंडिया की बल्ले-बल्ले, डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद मिलेगा मोटा पैसा

नईदिल्ली (एजेंसी)। 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में एक महीने से कम समय में होगा। आईसीसी ने पुष्टि की कि विजेता को 3.6 मिलियन डॉलर (लगभग 30.79 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जो पिछले संस्करणों (2021 और 2023) के 1.6 मिलियन डॉलर से दोगुना है। कुल पुरस्कार राशि 5.76 मिलियन डॉलर है, जो पहले के चक्रों से अधिक है। उपविजेता को 2.16 मिलियन डॉलर (लगभग 18.48 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जो पिछले 0.8 मिलियन डॉलर से काफी ज्यादा है। तीसरे स्थान पर रही भारत को 12.32 करोड़ रुपये मिलेंगे। आईसीसी ने कहा कि इस चक्र में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन और फाइनल में दो मजबूत टीमों का मुकाबला क्रिकेट का उत्सव है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में होने वाला मुकाबला दुनिया भर के प्रशंसकों को शानदार टेस्ट क्रिकेट का अनुभव देगा। उन्होंने दोनों टीमों को इस ऐतिहासिक मैच के लिए शुभकामनाएं दीं। दक्षिण अफ्रीका, 2023-25 डबल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर रही, ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज जीतकर और भारत के साथ घरेलू ड्रॉ के साथ फाइनल में जगह बनाई। यह उनकी पहली डब्लूयटीसी खिताब जीतने की कोशिश होगी। कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि फाइनल में पहुंचना हमारे लिए बड़ा अवसर है। टेस्ट क्रिकेट के महत्व को समझते हुए, हम लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। 11 जून को होने वाले इस मुकाबले के लिए उत्साह चरम पर है।

ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत को 3-1 से हराकर 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में प्रवेश किया। न्यूज़ीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू व विदेशी सीरीज में जीत और पाकिस्तान को 3-0 से रौंदने के साथ उन्होंने अपनी जगह पक्की की। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य टूर्नामेंट के पहले दो बार चैंपियन बनकर इतिहास रचना है। कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी खिताब का बचाव करना गर्व की बात है।

बार्सिलोना 28वीं बार बना ला लीगा चैंपियन, यमल के शानदार गोल से जीती टीम

बार्सिलोना, एजेंसी

स्पेन के स्टार युवा फुटबॉलर लामिन यमल के शानदार गोल की बदौलत बार्सिलोना ने गुरुवार को एस्पेनयॉल को 2-0 से हराकर दो मैच शेष रहते हुए 28वीं बार ला लीगा का खिताब को अपने नाम किया। ला लीग स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग है।

यमल और लोपेज ने दागे गोल

मैच का पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद 17 साल के यमल ने 53वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई और फेरमिन लोपेज ने स्टॉपेज समय (90+5 मिनट) में गोल कर टीम की 2-0 से जीत पक्की कर दी। एफसी बार्सिलोना की यह 36 मैचों में 27वीं जीत है और टीम ने 85 अंक के साथ खिताब पक्का कर लिया। दूसरे स्थान पर काबिज रियल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 78 अंक है और अब उसके लिए बार्सिलोना की बराबरी करना संभव नहीं है।

यमल की शानदार ड्रिब्लिंग

यमल ने एस्पेनयॉल के दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपने चिर-परिचित अंदाज में बायें पैर से गोल पोस्ट कॉर्नर में गेंद को मार कर अपने इस शानदार सत्र को और यादगार बनाया। पिछले साल स्पेन को यूरो कप जीतने में अहम भूमिका निभाने वाले यमल ने अपनी ड्रिबलिंग और प्लेमेकिंग की कौशल से सभी को प्रभावित किया और बताया कि क्यों उन्हें आने वाले समय का सुपरस्टार कहा जाता है। यमल के साथ राफिन्हा, पेड्री जैसे दिग्गज खिलाडियों ने इस सत्र में बार्सिलोना के अभियान को यादगार बना दिया।

पेड्री का 200वां मैच बना खास

22 साल के पेड्री का यह बार्सिलोना के लिए 200वां मैच था। एस्पेनयॉल को 80वें मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। लिआंड्रो कैबरेरा को गेंद को लेकर विवाद करते समय यमल के पेट पर गेंद मारने के कारण रेड कार्ड दिखा गया। लोपेज ने स्टॉपेज समय में गोल कर टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

मेसी ने भी पुरानी टीम को दी बधाई

दिग्गज लियोनेल मेसी ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये अपनी पुरानी टीम को चैंपियन बनने की बधाई दी। रियल मैड्रिड ने भी अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी को एक्स पर बधाई दी, जबकि बार्सीलोना के हजारों प्रशंसक शहर के मुख्य क्षेत्र में इस खिताब का जश्न मनाया।

एक कार दुर्घटना के कारण शुरुआती मिनटों में रेफरी ने खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया था। यहां के आरसीडीई स्टेडियम के बाहर भीड़ में कार के घुसने ये कई लोग घायल हो गए थे।अधिकारियों ने हालांकि कहा कि यह एक दुर्घटना थी और इसका इस मैच से कोई संबंध नहीं था।

ला लीगा के अन्य मैचों का हाल

अन्य मैचों में चौथे स्थान पर काबिज एथलेटिक बिलबाओ ने गेटाफे पर 2-0 से जीत हासिल कर चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की की। तीसरे स्थान पर मौजूद एटलेटिको मैड्रिड को ओसासुना के खिलाफ 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि रियल बेटिस को रेयो वैलेकानो के साथ 2-2 से ड्रा खेलने के बाद चैंपियंस लीग के क्वालिफिकेशन के लिए पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। टीम 59 अंक के साथ छठे पायदान पर है।

शुभमन गिल को अभी समय चाहिए, रविंद्र जडेजा बना सकते हैं कप्तानः अश्विन

चेन्नई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भारतीय टेस्ट कप्तानी के लिए अपने लंबे समय के स्पिन जोड़ीदार रवींद्र जडेजा का नाम सुझाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर गुरुवार को यह राय जाहिर की।अश्विन ने कप्तानी के दावेदारों पर चर्चा करते हुए कहा कि कुछ स्पष्ट विकल्प हैं, लेकिन मैं रवींद्र जडेजा का नाम भी जोड़ना चाहूंगा। कप्तान या उप-कप्तान की चर्चा से पहले खिलाड़ी का प्लेइंग इलेवन में होना जरूरी है। जडेजा एक स्वाभाविक चयन हैं। उन्होंने आगे कहा कि जडेजा टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। अगर नए खिलाड़ी को दो साल तक तैयार कर कप्तान बनाया जा सकता है, तो जडेजा भी दो साल तक यह भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें उप-कप्तान के रूप में भी आजमाया जा सकता है।36 वर्षीय जडेजा ने 80 टेस्ट में 3,370 रन (34.74 की औसत, 4 शतक, 22 अर्धशतक) और 323 विकेट लिए हैं। हालांकि, जडेजा ने भारत के लिए किसी भी प्रारूप में कप्तानी नहीं की है। उन्होंने 2022 आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी की थी, लेकिन 8 में से केवल 2 मैच जीतने के बाद बीच सीजन में एमएस धोनी को कप्तानी सौंप दी थी।

दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका

आईपीएल के बाकी बचे मैच खेलने भारत नहीं आएंगे स्टार्क

सिडनी, एजेंसी

मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2025 के बाकी मैचों से अपना नाम वापस ले लिया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टूर्नामेंट के बाकी मैचों के लिए दिल्ली कैपिटल्स में शामिल होने के लिए भारत नहीं लौटेगा। यह दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक बड़ा झटका है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल 2025 प्लेऑफ के लिए जगह पक्की नहीं की है।

स्टार्क 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट लेकर सीजन में अब तक डीसी के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

24 मई को दोबारा खेला जाएगा धर्मशाला में रद्द हुआ मुकाबला

धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ डीसी का पिछला मैच बीच में ही रद्द कर दिया गया था, जो अब 24 मई को फिर से खेला जाएगा। बहरहाल, माना जा रहा है कि स्टार्क विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा बनेंगे, जहां गत चैंपियन का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

वहीं, इस बात की अभी भी कोई पुष्टि नहीं हुई है कि फाफ डु प्लेसिस डीसी लौटेंगे या नहीं, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने अपनी वापसी की पुष्टि की है, लेकिन केवल बाकी लीग चरण के लिए, जिसके बाद वह डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए रवाना होंगे। डीसी ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर मुस्तफिजुर रहमान को भी साइन किया है, जो भारत नहीं लौट रहे हैं।

आईपीएल 2025 में मुस्तफिजुर की भागीदारी को लेकर अभी भी थोड़ी अनिश्चितता है, क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि क्रिकेटर ने अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए संपर्क नहीं किया है। वे अभी यूएई के खिलाफ टी20ई सीरीज खेलने के लिए शारजाह में है।

आईपीएल में अन्य ऑस्ट्रेलियाई लोगों के बारे में बात करते हुए, पैट कमिंस और ट्रैविस हेड दोनों सनराइजर्स हैदराबाद के साथ जुड़ने के लिए भारत लौट रहे हैं, जो प्लेऑफ़ की दौड़ से बाहर हैं और 25 मई को सीजन के लिए अपना अभियान समाप्त करेंगे, जिससे दोनों खिलाड़ियों को डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। लीग चरण में डीसी के अभी भी तीन मैच बाकी हैं, और उनका अगला मुकाबला रविवार को गुजरात टाइटन्स से होगा।

जॉनसन का बेतुका बयान, विदेशी खिलाड़ियों को शेष मैचों से दूर रहने को कहा

सिडनी, एजेंसी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन का एक बेतुका बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि विदेशी खिलाड़ियों का आईपीएल के शेष मैचों के लिए लौटना बुद्धिमानी भरा फैसला नहीं है। उन्होंने विदेशी खिलाड़ियों से भारत-पाकिस्तान तनाव की वजह से उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों को लेकर बयान दिया और कहा कि विदेशी खिलाड़ियों को पैसों से ज्यादा अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष और सीमा पर तनाव के कारण दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग को नौ मई को निलंबित कर दिया गया था। इसके निलंबन के एक दिन बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की गई। इससे शनिवार से आईपीएल के फिर से शुरू होने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, जॉनसन का मानना है कि विदेशी खिलाड़ियों के लिए बाकी बचे मैचों में भाग न लेना समझदारी होगी।

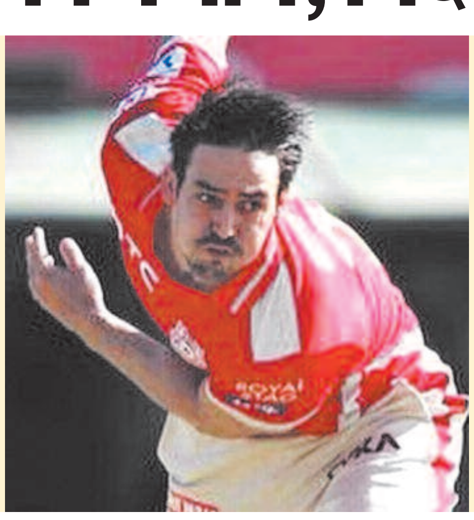

उन्होंने वेस्ट ऑस्ट्रेलियन अखबार के लिए अपने कॉलम में लिखा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खिलाड़ियों को अपने निर्णय लेने का अधिकार दिया है, लेकिन उनके लिए विकल्पों का चयन करना मुश्किल हो सकता है। क्रिकेट में इन दिनों बहुत ज्यादा पैसे खर्च हो रहे हैं, लेकिन यह अब भी एक खेल ही है और इस सप्ताह आईपीएल के बंद होने के बाद इस बात पर काफी ध्यान गया है।

उन्होंने कहा, मुझे अगर यह फैसला करना पड़े कि भारत वापस लौटकर टूर्नामेंट खत्म करूं या नहीं, तो यह एक आसान फैसला होगा। मैं इसका जवाब नहीं में देना पसंद करूंगा। जिंदगी और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण चीज है, पैसे नहीं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को कहा कि उसने व्यापक विचार-विमर्श करने और सरकार से आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के बाद लीग को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसका फाइनल पहले से तय 25 मई की जगह अब तीन जून को खेला जाएगा। हालांकि, अब तक फाइनल समेत प्लेऑफ के चार मैचों का स्थान तय नहीं किया गया है।

संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक प्लेऑफ में भाग लेने वाले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को 11 जून से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी के लिए काफी कम समय मिलेगा।

किसी को वापस जाने के लिए दबाव महसूस नहीं करना चाहिए

जॉनसन ने कहा, यह एक व्यक्तिगत फैसला है। किसी को भी वापस जाने के लिए मजबूर या दबाव महसूस नहीं करना चाहिए। भले ही आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) इसके लिए कड़ी मेहनत करें। दोनों टूर्नामेंटों को अभी समाप्त कर देना चाहिए या स्थानांतरित करने पर विचार करना चाहिए।

उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल का जिक्र करते हुए कहा, यह मत भूलिए कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के कुछ खिलाड़ियों को आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तैयारी करने की जरूरत होगी। आईपीएल फाइनल अब तीन जून तक टाल दिया गया है, जो लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले है। टेस्ट क्रिकेट के सबसे अहम मैच में से एक के लिए खिलाड़ियों की तैयारी प्रभावित होना भी एक बड़ा मुद्दा है।